हिंदी दैनिक

# नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 17 जनवरी 2025 | अंक 96/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

# म्यूचुअल फंड्स का पसंदीदा बना जोमैटो का स्टॉक

**नई दिल्ली.**

ऑनलाइन फूड डिलिवरी और क्विस कॉमर्स कंपनियां इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में है तो जोमैटो का स्टॉक संस्थागत निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरा है. म्यूचुअल फंड्स ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में सबसे ज्यादा जोमैटो के शेयर खरीदे हैं. अब तीन बड़े ब्रोकरेज हाउस ने ने निवेशकों को बड़े रिटर्न पाने के लिए जोमैटो के शेयर में निवेश की सलाह दी है. विदेशी ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने तो 400 रुपये का टारगेट दिया है और उसका मानना है कि स्टॉक मौजूदा लेवल से 62 फीसदी तक का रिटर्न दे सकता है. ब्रोकरेज हाउसेज के कवरेज रिपोर्ट के सामने आने के बाद जोमैटो के स्टॉक में गुरुवार 16 जनवरी 2025 में जोरदार उछाल देखा जा रहा है. आज के सत्र में 7.42 फीसदी के उछाल के साथ 262 रुपये पर जा पहुंचा जो पिछले सेशन में 243.90 रुपये पर क्लोज हुआ था. मैटो को लेकर अपना कवरेज रिपोर्ट जारी किया है जिसमें कहा गया कि स्टॉक आउटपरफॉर्म कर सकता है. जोमैटो का शेयर 400 रुपये तक जा सकता है जो कि मौजूदा लेवल से 62 फीसदी ऊपर है. जोमैटो के स्टॉक को लेकर बुलिश है. मॉर्गन स्टैनली ने 340 रुपये के टारगेट प्राइस के लिए स्टॉक को खरीदने की सलाह दी है. एक और ब्रोकरेज हाउस भी स्टॉक पर पॉजिटिव है और 315 रुपये के टारगेट प्राइस के लिए शेयर को खरीदने की सलाह दी है. शेयर बाजार में हालिया गिरावट के दौरान स्टॉक 304.70 रुपये के ऑलटाइम हाई से घटकर 227 रुपये पर आ गया. यानी ऑलटाइम हाई से शेयर में 25 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है.

# रेलवे के लिए बजट में बड़े बदलाव की तैयारी

## 20 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है आवंटन

**नई दिल्ली.**

बजट 2025 में भारतीय रेलवे के पूंजीगत व्यय आवंटन में 15-20% का इजाफा किया जा सकता है। यह उम्मीद इसलिए की जा रही है क्योंकि इस में चालू वर्ष का आवंटन समय पर खर्च हो जाने की उम्मीद है। देश के सबसे बड़े ट्रांसपोर्टर के लिए बजट 2025-26 में कुल पूंजीगत व्यय आवंटन (कैपेक्स) का चालू वित्त वर्ष के ₹2.65 लाख करोड़ से बढ़ाकर ₹3 लाख करोड़ से अधिक किया जा सकता है। आने वाले बजट में सरकार का जोर आधुनिक रेलवे स्टेशन बनाने, नए दौर की ट्रेनें शुरू करने और ट्रैक नेटवर्क पर भार कम करने पर रह सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट 01 फरवरी 2026 को लोकसभा में पेश करेंगी।

रेलवे से जुड़े एक सूत्र के अनुसार आने वाले बजट में रेलवे के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर आवंटन 20 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। रेलवे के अनुमानों के अनुसार पिछले बजट में इस मद में मिले 2.65 लाख करोड़ रुपये में से रेलवे ने अब तक करीब 80 फीसदी खर्च कर लिए हैं। एक वरीय अधिकारी के अनुसार रेलवे बोर्ड ने चालू वित्तीय वर्ष में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं। उनके अनुसार वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले कैपेक्स का लक्ष्य पूरी तरह से हासिल कर लिया जाएगा।

आने वाले साल के लिए पेश होने वाले बजट में वित्त मंत्री आम लोगों को खास अनुभव देने के लिए रेलवे के लिए बड़ा एलान कर सकती हैं। इस बजट में सरकार की ओर से नए ट्रैक बिछाने और पुराने ट्रैकों को अपग्रेड करने के लिए ज्यादा आवंटन का एलान हो सकता है। रोलिंग स्टॉक लोकोमोटिव, वैगन और कोचों की खरीद पर भी खर्च बढ़ाया जा सकता है। सरकार की महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) पर सरकार अपना खर्च बढ़ाना जारी रख सकती है। परियोजना में गति तेज करने के लिए बुलेट ट्रेन के बजट आवंटन में इजाफा किया जा सकता है। इसके अलावे, कारोबार जगत ने भी सरकार से अपील की है कि वह बड़े पूंजीगत व्ययों पर खर्च बढ़ाना जारी रखे, जिससे निजी निवेश को प्रोत्साहन मिले और नरम पड़ी वृद्धि दर दोबारा ट्रैक पर लौट सके।

### बुनियादी ढांचे के विकास और यात्री सुविधाओं पर रहेगा सरकार का जोर

❑ चालू वित्त वर्ष में रोलिंग स्टॉक के लिए 50,903 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना थी। नई लाइनें, गेज परिवर्तन, ट्रैक दोहरीकरण, यातायात सुविधाएं, रेलवे विद्युतीकरण, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में निवेश और महानगरीय परिवहन सहित क्षमता वृद्धि कार्य के लिए आवंटन 1.2 लाख करोड़ रुपये था। इस वर्ष सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए 34,412 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

# जीडीपी में रियल एस्टेट का 53 फीसदी योगदान

**नई दिल्ली.** सरकार को सस्ते मकानों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए एक फरवरी को पेश होने वाले बजट-2025 में किफायती आवास योजनाओं पर आयकर की दर घटाकर सिर्फ 15 फीसदी कर देनी चाहिए। इसके अलावा, होम लोन पर चुकाए जाने वाले मूलधन और ब्याज पर कटौती की सीमा भी बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने इस क्षेत्र के समक्ष आने वाली गंभीर चुनौतियों के समाधान के लिहाज से आगामी बजट के लिए कई सुझाव दिए हैं। इन सुझावों में किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव और सस्ते मकान बनाने के लिए रियल एस्टेट कंपनियों को टैक्स के मोर्चे पर राहत देना भी शामिल है। क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा, जीडीपी, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे में अपने योगदान के साथ रियल एस्टेट क्षेत्र हमेशा राष्ट्र निर्माण में आगे रहा है। देश की जीडीपी में करीब 53 फीसदी योगदान करने वाले और आठ करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाले इस क्षेत्र के पास उन 40 करोड़ भारतीयों की आवास जरूरतों का पूरा करने की कुंजी है, जिनके पास मकान नहीं है। सरकार अगर सुझावों पर ध्यान देती है तो इससे न सिर्फ जीडीपी को गति मिलेगी बल्कि मकान खरीदार सशक्त बनेंगे व देश की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को समर्थन मिलेगा। अगले सात वर्षों में सात करोड़ मकान देने और दो करोड़ नए रोजगार सृजित करने के दृष्टिकोण भी सरकार को इन सुझावों पर विचार करना चाहिए।

# रॉयल स्टैग बूमबॉक्स के तीसरे संस्करण के साथ संगीत का अनूठा अनुभव

**मुंबई.**

सीग्राम रॉयल स्टैग बूमबॉक्स ने अपने तीसरे संस्करण के साथ वापसी की है, जो समकालीन हिप-हॉप बीट्स और बॉलीवुड की प्रतिष्ठित धुनों का एक अद्भुत मिश्रण पेश करेगा। पिछले दो संस्करणों की शानदार सफलता के बाद, इस संगीत समारोह में प्रमुख कलाकारों के रूप में अरमान मलिक, अमित त्रिवेदी, नीति मोहन, निकिता गांधी, रफ्तार, इक्कां और डीजे योगी जैसे सितारे शामिल होंगे। मिर्ची द्वारा निर्मित इस सीजन के साथ, सीग्राम रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का यह संगीत उत्सव, पारंपरिक और आधुनिक भारतीय संगीत के मिश्रण को फिर से परिभाषित करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा। यह आयोजन 'लिविंग इट लार्ज' ब्रांड दर्शन के अनुरूप है और आज की पीढ़ी के लिए नई धुनों और संगीत के शैलियों का मिश्रण प्रस्तुत करेगा। इस साल रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का यह संगीत उत्सव चार प्रमुख युवा केंद्रों - हैदराबाद, मुंबई, गुरुग्राम और गुवाहाटी का दौरा करेगा। इन शहरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में एआर/वीआर तकनीक और एआई संचालित पर्सनलाइजेशन के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रदर्शन भी किया जाएगा।

पिछले संस्करणों में इन शहरों में लगभग एक लाख लोग आकर्षित हुए थे, जबकि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 20 करोड़ से अधिक व्यूज प्राप्त हुए थे। अमित त्रिवेदी ने कहा, "यह मंच संगीत के माध्यम से गहरी कनेक्टिविटी बनाने का अवसर है। अरमान मलिक ने कहा, "संगीत से जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वह लोगों को एक साथ लाता है। नीति मोहन ने कहा, "यह मंच कलाकारों के लिए सिर्फ परफॉर्म करने का नहीं, बल्कि अपने प्रशंसकों से जुड़ने का अद्भुत अवसर है।

रफ्तार ने कहा, "रॉयल स्टैग बूमबॉक्स एक ऊर्जावान यात्रा है, जहां मैं रैपिंग से ज्यादा, लोगों को एक भावनात्मक यात्रा पर ले जाता हूं। इक्कां ने कहा, "यह मंच हर कलाकार को अपनी अनूठी आवाज़ और स्टाइल को प्रदर्शित करने का अवसर देता है। डिजे योगी ने कहा, "मेरा लक्ष्य इस कार्यक्रम को एक बड़ी पार्टी में बदलने का है। सीग्राम रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का यह तीसरा संस्करण निश्चित रूप से एक नई ऊंचाई पर पहुंचेगा। संगीत और गेमिंग का यह अद्भुत मिश्रण, भारत के युवा दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनाने का वादा करता है।

# घरेलू शेयर बाजार में तेजी जारी

## सेंसेक्स 500 अंक उछला, निफ्टी 23000 के पार

**नई दिल्ली.** शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 595.42 अंक उछलकर 77,319.50 पर पहुंच गया। ऐसे ही निफ्टी भी 178.45 अंक बढ़कर 23,391.65 पर पहुंचा। इसके अलावा शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे गिरकर 86.42 पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,533.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 595.42 अंक चढ़कर 77,319.50 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 178.45 अंक की बढ़त के साथ 23,391.65 अंक पर रहा।

सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयर सबसे अधिक फायदे में रहे। नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर नुकसान में रहे।

### रुपया शुरुआती कारोबार में 86.44 प्रति डॉलर पर

❑ अमेरिकी मुद्रा में मजबूती, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 86.44 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.42 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले 86.44 पर फिसल गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर बंद हुआ था।

# वोक्हार्ट हॉस्पिटल में स्पाइन विकार पर दुर्लभ मल्टीमोडैलिटी सर्जरी

**नागपुर.**

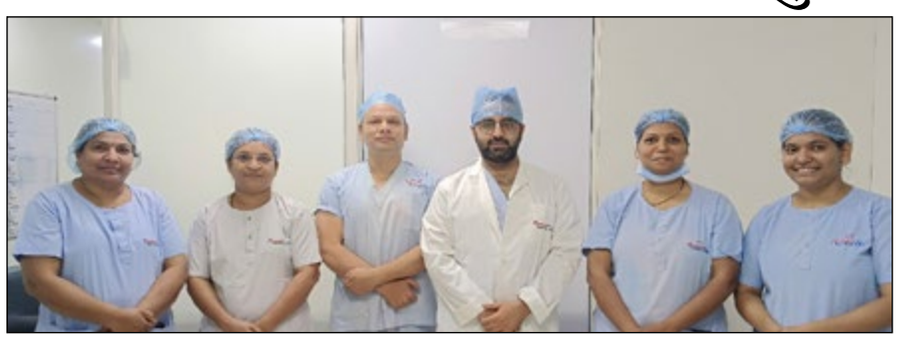

वोक्हार्ट हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जन ने शहर में पहली बार मल्टीमोडैलिटी इंट्राऑपरेटिव मॉनिटरिंग (आईओएनएम) गाइडेड सर्जरी की, जो एक दुर्लभ रीढ़ की हड्डी के विकार से पीड़ित बच्चे के लिए की गई। इस सर्जरी में बच्चे की रीढ़ की हड्डी दो हिस्सों में विभाजित थी। यह सर्जरी नागपुर क्षेत्र में जटिल पेडियाट्रिक स्पाइन विकृति के लिए पहली बार की गई और यह उन्नत न्यूरोलॉजिकल उपचार में महत्वपूर्ण साबित हुई। सर्जरी से पहले 3 साल के बच्चे को चलने में कठिनाई और बाउल/ब्लेडर पर नियंत्रण खोने की समस्या थी। इसके अलावा, उसकी रीढ़ की हड्डी में असामान्य मोड़ (स्कोलियोसिस) और दोनों पैरों में ऑर्थोपेडिक विकृति (बायलैटरल क्लब फीट) थी। एमआरआई और सीटी स्कैन से यह पता चला कि बच्चे की रीढ़ की हड्डी में विभाजन था, साथ ही एक हड्डी की स्पर और निचले हिस्से में फैटी ट्यूमर था। इस दुर्लभ विकार को "डायस्टेमेटोमाइलिया विद हेमिकॉर्ड एंडिंग इनटू कंटिग्यूस डोर्सल लिपोमा एंड टेथर्ड फिलम टर्मिनाले विद फैटी इन्फिल्ट्रेशन" कहा जाता है। जटिल विकृति और कार्यशील नसों के पास असामान्य हड्डी और ट्यूमर के बहुत करीब होने के कारण यह सर्जरी जोखिम से भरी थी, जिसमें गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी। सर्जरी को अत्यधिक सावधानी के साथ मल्टीमोडैलिटी इंट्राओपरेटिव नर्व मॉनिटरिंग (आईओएनएम) के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस तकनीक में मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के महत्वपूर्ण हिस्सों को कम तीव्रता वाली इलेक्ट्रिक करंट से उत्तेजित किया जाता है, जिससे सर्जरी के दौरान महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान और उनकी कार्यात्मक स्थिति की जानकारी मिलती है।

यह ऐतिहासिक सर्जरी वोक्हार्ट हॉस्पिटल की टीम द्वारा की गई, जिसका नेतृत्व डॉ. कार्तिक मनोज मुल्तानी ने किया, जो मस्तिष्क और रीढ़ की सर्जरी के विशेषज्ञ हैं। उनके साथ अन्य विशेषज्ञों और नॉन-क्लिनिकल सहयोगियों ने भी इस सर्जरी को सफल बनाने में योगदान दिया। वोक्हार्ट हॉस्पिटल ने इस उपलब्धि के साथ यह साबित किया है कि वह मध्य भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा उपचार के लिए अग्रणी केंद्र है और मरीजों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# मोदी सरकार का कर्मचारियों को तोहफा

**नई दिल्ली.** नए साल में केंद्र सरकार ने लाखों केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग का एलान कर दिया। केंद्र सरकार के इस फैसले से कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनधारकों के पेंशन में इजाफा होगा। लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या एक करोड़ से अधिक है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 8वें वेतन आयोग के गठन का फैसला लिया गया। 7वें वेतन आयोग का गठन 2016 में किया गया था और इसका कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा। वैष्णव ने आगे कहा कि आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी।

# झूम उठे अडानी ग्रुप के सभी शेयर

**नई दिल्ली.** 2 साल पहले इसी महीने में हिंडनबर्ग की एक रिपोर्ट आने से गौतम अडानी को 100 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था. आज भी हिंडनबर्ग की एक खबर से अडानी के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है. दरअसल, शॉर्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग के बंद होने के फैसले का असर आज अडानी ग्रुप के शेयर पर पड़ता दिख रहा है. आज अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पावर, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी टोटल गैस, अडानी विल्मर, अंबुजा सीमेंट, एसीसी और एनडीटीवी सभी शेयर हरे निशान में कारोबार का रहे हैं. शेयर मार्केट में बड़े गैपअप के बाद कारोबार की तेज शुरुआत हुई और ओपनिंग बेल के साथ ही निफ्टी 164 अंकों की बढ़त के साथ 23377 के लेवल पर खुला, जबकि सेंसेक्स 595 अंकों की बढ़त के साथ 77319 के लेवल पर खुला. बाजार में फ़िलहाल तेजी जारी है. वहीं फोकस में आज अडानी के ग्रुप के शेयर्स हैं. गौतम अडानी की कंपनियों के शेयरों में तेजी के पीछे शार्ट सेलेर फर्म हिंडनबर्ग के बंद होने को कारण माना जा रहा है. ये वही कंपनी है जिसकी वजह से अडानी को तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा था और इससे उबरने में कंपनी को काफी समय लगा था. हिंडनबर्ग ने 24 जनवरी 2023 में अडानी ग्रुप के खिलाफ पेश की गई रिपोर्टमें कहा था कि अडानी समूह ऑफशोर टैक्स हेवन का गलत तरीके से इस्तेमाल करके मुनाफा कमा रहे हैं, लेकिन अडानी ग्रुप ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था.

# सीसीआई के 213.14 करोड़ के जुर्माने के खिलाफ मेटा

**नई दिल्ली.**

अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई के आदेश के खिलाफ मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सएप की याचिकाएं गुरुवार को स्वीकार कर लिया। सीसीआई ने बाजार प्रभुत्व के दुरुपयोग के लिए 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इस मुद्दे पर मेटा और सीसीआई की प्रारंभिक दलीलें सुनने के बाद राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता है। एनसीएलएटी की पीठ ने कहा, "हमारा मानना है कि पक्षों द्वारा प्रस्तुत दलीलों पर विचार करने की जरूरत है। हम दोनों अपीलों को स्वीकार करते हैं।" पीठ में इसके अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक भूषण भी शामिल थे। हालांकि, सीसीआई के आदेश पर रोक लगाने संबंधी अंतरिम राहत के बारे में एनसीएलएटी ने कहा कि वह अगले सप्ताह फैसला करेगा। कार्रवाई के दौरान, व्हाट्सएप और मेटा प्लेटफॉर्म की ओर से पेश हुए वकील ने अपीलीय न्यायाधिकरण से सीसीआई के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया।

### व्हाट्सएप की याचिका स्वीकार

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की ओर से पेश हुए वकील ने इसका विरोध किया ।8 नवंबर को, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने 2021 में किए गए व्हाट्सएप गोपनीयता नीति अपडेट के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों के लिए प्रमुख मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इसके अलावा, प्रतिस्पर्धा नियामक ने मेटा को प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों को बंद करने और उनसे दूर रहने का निर्देश दिया। सीसीआई के आदेश के अनुसार, मेटा और व्हाट्सएप को प्रतिस्पर्धा विरोधी मुद्दों के समाधान के लिए एक निर्धारित समयसीमा के भीतर कुछ व्यवहारिक उपायों को लागू करने के लिए भी कहा गया है।

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

हिंदी दैनिक

# नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 17 जनवरी 2025 | अंक 96/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

# सैफ अली खान पर चाकू से हमला

## > मुंबई पुलिस कर रही हमलावर की तलाश

**मुंबई.**

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमला हुआ है। एक लुटेरे ने बांद्रा (पश्चिम) स्थित उनके घर में घुसकर उन पर हमला कर दिया. इस हमले में वह घायल हो गए हैं. घटना गुरुवार रात करीब 2.30 बजे की है जब वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे. सैफ अली खान और करीना कपूर खान के बांद्रा स्थित घर में एक लुटेरा घुस गया. उसने सैफ पर चाकू से हमला कर दिया. पुलिस ने बताया कि घर के अन्य सदस्यों के जाग जाने के बाद लुटेरा मौके से भाग गया.

फिलहाल पुलिस उसका पता लगाने की कोशिश कर रही है. इस मामले में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है. सैफ अली खान को लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहां उनका इलाज चल रहा है. लुटेरों से हुई हाथापाई में उनकी गर्दन और रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई. गुरुवार रात एक अज्ञात व्यक्ति अभिनेता सैफ अली खान के घर में घुस आया और उनकी नौकरानी से बहस करने लगा। जब सैफ ने हस्तक्षेप किया और उन्हें शांत करने की कोशिश की तो उन्होंने सैफ अली खान पर हमला कर दिया। इस घटना में वह घायल हो गए हैं, पुलिस मामले की जांच कर रही है, मुंबई पुलिस ने जानकारी दी है. लीलावती अस्पताल की ओर से सैफ की हालत के बारे में जानकारी दी गई है. "सैफ पर उनके घर में एक अज्ञात व्यक्ति ने हमला किया था। उन्हें सुबह साढ़े तीन बजे लीलावती अस्पताल लाया गया. उन्हें छह घाव लगे, जिनमें से दो गहरे थे। उसकी रीढ़ की हड्डी के पास एक घाव है. लीलावती अस्पताल के सीओओ डॉ. नीरज उत्तमानी ने कहा, हम उनकी सर्जरी कर रहे हैं। न्यूरोसर्जन नितिन डांगे, कॉस्मेटिक सर्जन लीना जैन और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट निशा गांधी उनकी सर्जरी कर रहे हैं।

लीलावती अस्पताल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. नितिन डांगे ने सैफ की सर्जरी की है. उन्होंने बताया कि सैफ को कल सुबह आईसीयू से शिफ्ट कर दिया जाएगा. एक-दो दिन में एक्टर को डिस्चार्ज भी कर दिया जाएगा. ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों ने एक्टर के शरीर पर आए जख्मों के बारे में विस्तार से चर्चा की है. लीलावती अस्पताल के सीओओ डॉ. नरीज उत्तमानी ने बताया,'सैफ की हड्डी में 2.5 इंच चाकू का टुकड़ा फंसा था, जिसे सर्जरी के जरिए निकाल दिया गया. पूरे शरीर पर घाव के 6 निशान मिले हैं, जिनमें से 2 जख्म गहरें हैं.'

**(पेज 4 भी देखें)**

### मुंबई देश का सबसे सुरक्षित मेगा शहर: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री फड़नवीस ने कहा, ''मुझे लगता है कि मुंबई देश का सबसे सुरक्षित मेगा शहर है। यह सच है कि कभी-कभी चीजें घटित होती हैं। इन्हें भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए. लेकिन यह कहना उचित नहीं होगा कि मुंबई सिर्फ उन घटनाओं की वजह से असुरक्षित है क्योंकि इससे मुंबई की छवि खराब होती है. इस घटना के बाद मुंबई शहर में कानून व्यवस्था का मुद्दा सामने आ गया है. इसे लेकर विपक्ष राज्य सरकार पर सवाल उठा रहा है. इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा है कि किसी हमले की वजह से मुंबई शहर को असुरक्षित कहना ठीक नहीं है.

### हत्या, डकैती समेत 5 धाराओं के तहत मामला दर्ज

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस ने जानकारी दी कि जांच के लिए 30 सीसीटीवी फुटेज खंगाल चुकी है। हमलावर की तस्वीर सामने आ चुकी है। बांद्रा पुलिस ने हमलावर के खिलाफ बीएनएस 109 हत्या और डकैती की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अज्ञात शख्स के खिलाफ बीएनएस की धारा 311 डकैती, 312 घातक हथियार से डकैती, 331(4), 331(6), 331(7) ट्रेस्पासिंग के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

**गोंदिया.** गोंदिया जिले से एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है. माना जाता है कि एक ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। इस पुलिसकर्मी का नाम हवलदार तेजराम कोरोटी है. यह घटना गोंदिया के नवेगांवबांध पुलिस थाना क्षेत्र के ढाबेपावनी एओपी में हुई। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि पुलिसकर्मी ने यह कदम क्यों उठाया। बहरहाल, इस घटना से इलाके में सनसनी मच गई है. इस मामले में आगे की जानकारी यह है कि गोंदिया जिले में नक्सल प्रभावित इलाकों में नक्सलियों पर नजर रखने के लिए बड़ी संख्या में एओपी का निर्माण किया गया है. यहां ढाबेपावनी एओपी सेंटर में कार्यरत कांस्टेबल तेजराम कोरोटी ने अपने पास रखी बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस कांस्टेबल तेजराम कोरोटी ने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस इसकी जांच कर रही है. हालाँकि, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि उनका तबादला तिरोड़ा पुलिस स्टेशन में कर दिया गया है। यहां की पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच करेगी, लेकिन पुलिसकर्मी की इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है. साथ ही कोरोटी परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है.

## एआई का उपयोग पारदर्शिता के साथ करें राजनीतिक दल

**नई दिल्ली.** चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से चुनाव प्रचार में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ प्रयोग करने के लिए कहा है। इसे लेकर आयोग ने राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को सलाह जारी की है। आयोग ने कहा है कि राजनीतिक दल और उम्मीदवार एआई से जारी होने वाली सामग्री का उचित रूप से खुलासा जरूर करें। चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को जारी की गई एडवाइजरी में कहा है कि अगर कोई राजनीतिक दल या उम्मीदवार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के जरिये किसी फोटो, वीडियो या अन्य सामग्री का उपयोग करे तो उसके स्रोत की जानकारी का खुलासा जरूर किया जाए। आयोग ने कहा कि राजनीतिक दल विज्ञापन और प्रचार सामग्री पर अगर सिथेंटिक कंटेट का उपयोग करेंगे तो उनको इसका अस्वीकरण देना होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार लगातार चुनाव में एआई के गलत उपयोग को लेकर चिंता जताते रहे हैं। सात जनवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा के दौरान उन्होंने कहा था कि प्रशासन को गलत सूचना फैलाने के प्रयास करने वालों के प्रति सतर्क रहना होगा। साथ ही ऐसी सूचनाओं को रोकने के लिए तेजी से कार्रवाई करनी होगी। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान भी आयोग ने सोशल मीडिया के सावधानीपूर्ण उपयोग को निर्देश जारी किए थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में डीपफेक और भ्रामक संदेश फैलाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में पुलिस ने आप के खिलाफ प्रधानमंत्री व गृहमंत्री की एआई-जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो पार्टी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट करने के आरोप में पांच एफआईआर दर्ज की हैं। शिकायतें 10 जनवरी और 13 जनवरी को पोस्ट किए गए वीडियो से जुड़ी थीं.

## दक्षिण बस्तर क्षेत्र में मुठभेड़, 12 नक्सली मारे गए

**बीजापुर.** छत्तीसढ़ के बीजापुर में एक बार फिर पुलिस-नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई. मुठभेड़ में 12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है. दोनों ओर से अभी भी रुक-रुक कर गोलीबारी चल रही है. हालांकि नक्सली मारे जाने की अभी पुष्टि नहीं हुई है. मुठभेड़ दक्षिण बस्तर के पुजारी कांकेर के जंगल में चल रही है. खबरों के अनुसार बीजापुर, डिआरजी सुकमा, डिआरजी दंतेबाड़ा, कोबरा सीआरपीएफ के करीब 1200 से 1500 जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है. जंगल में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं. इनमें कुछ बड़े नक्सल लीडर भी शामिल हैं. वहीं बीजापुर में ही आईईडी ब्लास्ट में 2 जवान घायल हो गए हैं. आज दोपहर बीजापुर जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र में कोबरा बटालियन के 2 जवान आईईडी की चपेट में आ गए.

साथी जवानों ने गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है. बताया जा रहा है कि पुतकेल कैंप से जवान सर्च ऑपरेशन पर निकले थे. नक्सलियों ने इलाके में पहले से ही आईईडी लगा रखी थी. इसी दौरान जवानों के पैर का दबाव आईईडी पर पड़ा, जिससे जोरदार धमाका हुआ. दोनों जवानों के पैर में चोटें आई हैं. इलाके में सर्च ऑपरेशन भी चलाया जा रहा है.

इसके पहले 12 जनवरी को फोर्स ने बीजापुर के मद्देड़ इलाके में 2 महिला नक्सली सहित 5 नक्सलियों को मार गिराया था. घटनास्थल से पांचों के शव के साथ एसएलआर व राइफल बरामद किए थे. बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने इसकी पुष्टि की थी. वहीं बस्तर आयजी सुंदरराज पी ने बताया था कि नेशनल पार्क एरिया कमेटी के माओवादियों को सुबह से जवानों ने घेर रखा था.

सुबह से बंदेपारा कोरंजेड़ के जंगल में शाम 3.4 बजे तक रुक-रुककर फायरिंग चली. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से एक एसएलआर राइफल, 12 बोर बंदूक, 2 सिंगल शॉट बंदूक, एक बीजेएल लॉन्चर, 1 देशी बंदूक (भरमार) के साथ विस्फोटकए नक्सल साहित्य और नक्सली सामग्री बरामद की गई है.

## एफबी पर प्यार, रेप के बाद वसूले लाखों रुपए

**ठाणे.** महाराष्ट्र के ठाणे में एक दिल दहलाने वाली घटना हुई है. यहां एक युवक ने एक लड़की से दोस्ती किया और रेप कर उसका वीडियो बना लिया. यही नहीं, आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए उससे लाखों रूपए ऐंठ लिए हैं. इस संबंध में पीड़िता ने विट्ठलवाड़ी थाना पुलिस में शिकायत दी है. आरोप लगाया है कि आरोपी ने सिगरेट और गर्म लोहे से कई बार उसे दाग भी दिया. 27 साल की इस युवती ने ब्लैकमेल कर शादी के लिए मजबूर करने का भी आरोप लगाया है. पुलिस के मुताबिक पीड़िता करीब चार साल पहले सोशल मीडिया के जरिए 38 साल के आरोपी सुनील हिरानंदनी के संपर्क में आई थी. कुछ दिनों तक दोनों ने चैटिंग की और फिर एक दूसरे को अपना नंबर शेयर कर दिया. इसके बाद इनके बीच बातचीत शुरू हो गई और दोनों दोस्त बन गए. पीड़िता के मुताबिक आरोपी ने उसे एक दिन मिलने के लिए बुलाया और कस्बे के एक लॉज में ले जाकर उसके साथ रेप किया. इस दौरान आरोपी ने अपने मोबाइल से वीडियो भी बनाया था. पीड़िता के मुताबिक आरोपी वही वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल कर रहा था. पीड़िता के मुताबिक आरोपी ने उसे डरा धमका कर बार बार रेप किया और अब वह शादी के लिए मजबूर कर रहा है.

एक बार तो आरोपी और उसकी मां उसे मध्य प्रदेश के ग्वालियर ले गए थे, जहां आरोपियों ने उसके बाल और भौहें काट दिए और एक हफ्ते तक बंधक बनाकर रखा. यही नहीं आरोपियों ने उसे सिगरेट और गर्म तवे से दागा भी. पीड़िता ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि आरोपियों ने उसका आधार और पैन कार्ड के साथ-साथ बैंक की पासबुक भी ले ली है और उसके नाम से लोन लेकर उसके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर रहे हैं.

## पाक नागरिक अब घर में पाल सकेंगे शेर-चीता

**लाहौर.** पाकिस्तान से आए दिन पालतू शेर-चीतों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं. वहां के लोग घरों में इन खूंखार जंगली जानवरों को अवैध रूप से रखते हैं. लेकिन अब पंजाब प्रांत की सरकार ने जंगली जानवर पालने को कानूनी मान्यता दे दी है. कैबिनेट ने वन जीवन कानून में बदलाव करते हुए बिडाल वंश के पांच बड़े जानवरों को घर में पालना अब कानूनी तौर पर मान्य कर दिया है, इनमें शेर, चीता, बाघ, जैगुआर और प्यूमा शामिल है. 'डॉन' के मुताबिक पंजाब सरकार में मंत्री मरियम औरंगजेब ने बुधवार को कहा कि पिछले 70 साल से इन जानवरों को पालने को लेकर कोई कानून नहीं था, जिसके कारण उन्हें अवैध रूप से घरों में रखा जाता था.

## गाजा में बमबारी, 73 मौतें, 200 से ज्यादा जख्मी

**तेल अवीव.** इजरायल और फिलिस्तीनी संगठन हमास के बीच हुए सीजफायर के ऐलान को 24 घंटे भी नहीं बीते थे. इसी बीच सीजफायर तोड़ दिया गया. गुरुवार को इजरायली सेना ने गाजा पर फिर से एयर स्ट्राइक की, जिसमें कम से कम 73 लोगों की मौत की खबर है. एजेंसी रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार तड़के इजरायल ने गाजा पर आसमान से बम बरसाए थे. गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी के हवाले से बताया कि इजरायल की एयरस्ट्राइक में महिलाओं और बच्चों की भी जान गई है. 200 से ज्यादा नागरिक जख्मी हुए हैं. गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी के प्रवक्ता महमूद बसल ने एएफपी को बताया, "जब से गाजा पट्टी पर सीजफायर समझौते का ऐलान हुआ है, तब से इजरायल की ऑक्यूपेशन फोर्स ने 73 लोगों को मार डाला है. इसमें 20 बच्चे और 25 महिलाएं शामिल हैं. इजरायल की सेना अभी भी बमबारी कर रही है."

## कैबिनेट ने 8वें वेतन आयोग के गठन को दी मंजूरी

**नई दिल्ली.** केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है और केंद्रीय कैबिनेट ने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है. केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनधारी बेसब्री से 8वें वेतन आयोग का इंतजार कर रहे थे और सरकार ने इनको ये सौगात दे दी है. जल्दी ही इसके लिए कमिटी का गठन होगा और 8वें वेतन आयोग को बनाने की प्रक्रिया चालू कर दी जाएगी. केंद्रीय कैबिनेट की बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर हुई और पीएम मोदी की अध्यक्षता में इस फैसले पर मंजूरी दे दी गई. केंद्रीय कर्मचारियों के संगठनों ने इसके लिए कैबिनेट सचिव से मिलकर 8वें वेतन आयोग का गठन करने की मांग की थी और लगातार ये संगठन सरकार के सामने 8वें वेतन आयोग के गठन का दबाव बना रहे थे. पिछले एक साल में कई बार कर्मचारी यूनियन केंद्र सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग कर चुके हैं. पिछले बजट के बाद जब वित्त सचिव टीवी सोमनाथन से इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा था कि अभी इस काम के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है. अंतिम वेतन आयोग का गठन हुए 10 साल से ज्यादा समय बीत चुका है. आम तौर पर हर 10 साल में अगले वेतन आयोग का गठन हो जाता है. पुराने वेतन आयोग की जगह पर नए वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बीच भी सामान्यत: 10 साल का अंतर रहता है. ऐसे में आठवें वेतन आयोग का गठन जरूरी हो गया था.

# महाराष्ट्र कैबिनेट से धनंजय मुंडे का गिरेगा विकेट?

## > देशमुख हत्याकांड के खुलासे से मुंडे की कुर्सी को खतरा

**मुंबई.** महाराष्ट्र के चर्चित संतोष देशमुख हत्याकांड पर रोज-रोज हो रहे खुलासे ने धनंजय मुंडे की कुर्सी को खतरे में डाल दिया है. एक तरफ जहां विपक्षी नेता और सामाजिक कार्यकर्ता मुंडे के खिलाफ हमलावर हैं. वहीं दूसरी तरफ मुंडे अब धीरे-धीरे सरकार और संगठन में भी अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं. धनंजय मुंडे से जुड़े हालिया तीन एक्शन के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या मुंडे का देवेंद्र फडणवीस कैबिनेट से विकेट गिर सकता है? बीजेपी से राजनीतिक करियर की शुरुआत करने वाले मुंडे बीड के बड़े नेता माने जाते हैं.

मुंडे को राजनीति अपने चाचा गोपीनाथ मुंडे से विरासत में मिली है. संतोष देशमुख हत्याकांड के मुख्य आरोपी वाल्मीकि कराड पर लगातार महाराष्ट्र पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है. मंगलवार को पुलिस ने कराड पर मकोका के तहत एक्शन लिया है. जांच के लिए गठित एसआईटी ने कोर्ट को बताया कि देशमुख की हत्या जबरन वसूली के लिए किया गया है. एसआईटी के दावे के मुताबिक कराड हत्यारों के संपर्क में था.

एसआईटी के इस बयान के बाद से ही महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मची हुई है. कोर्ट ने 7 दिन के लिए कराड को रिमांड में भेजा है. पीएम के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए- बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई में एनडीए विधायकों के साथ कॉर्डिनेशन को लेकर एक बैठक की. इस बैठक में मोदी ने महायुति को और विस्तार को लेकर सभी विधायकों को सीख दी. मोदी ने कहा कि सभी विधायक एक-दूसरे के अच्छे कामों को सीखने का प्रयत्न करें, जिससे उनका क्षेत्र काफी विकसित होगा.

सहयोगियों के साथ कॉर्डिनेशन कैसे मजबूत हो, इसके गुर भी मोदी ने विधायकों को बताया. दिलचस्प बात है कि इतनी अहम बैठक से धनंजय मुंडे नदारद रहे.

कहा जा रहा है कि मुंडे को बैठक में बुलाया ही नहीं गया था. उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत ने इसको लेकर तंज कसा है. राउत का कहना है कि जब सरकार में धनंजय शामिल हैं, तो उनके साथ अन्याय क्यों किया जा रहा है? अजित पवार पर सियासी प्रेशर- अजित पवार अब तक धनंजय को लेकर फ्रंटफुट पर थे, लेकिन जिस तरीके से धनंजय को लेकर एसआईटी ने खुलासा किया है, उससे अजित पर भी सियासी प्रेशर बढ़ता जा रहा है. इधर, बीड में कराड के समर्थक भी बवाल काटे हुए हैं.

कराड के समर्थकों का कहना है कि राजनीतिक द्वेष की वजह से उन्हें फंसाया जा रहा है. यही वजह है कि अजित पवार ने बीड की पूरी कार्यकारिणी को बर्खास्त कर दिया है. प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के लेटरपेड से जारी आदेश में कहा गया है कि अब जांच-परख के बाद नई कार्यकारिणी का गठन होगा. बीड में एनसीपी की कार्यकारिणी बर्खास्त होने के बाद बुधवार शाम को अजित पवार से धनंजय मुंडे ने मुलाकात की है.

### अजित के करीबी हैं धनंजय मुंडे

चाचा गोपीनाथ मुंडे की देखरेख में राजनीतिक करियर की शुरुआत करने वाले धनंजय मुंडे बाद में शरद पवार के पाले में आ गए. 2014 में विधानपरिषद के जरिए मुंडे सदन में आए. यहां पर वे नेता प्रतिपक्ष भी बनाए गए. 2019 में मुंडे पहली बार परली सीट से चुनाव जीतकर विधायक बने. अजित ने जब सरकार गठन को लेकर बगावत किया, तो मुंडे अजित के साथ चले गए, लेकिन अजित की वापसी के बाद मुंडे को भी उद्धव कैबिनेट में शामिल किया गया. 2023 में एनसीपी की टूट के वक्त धनंजय अजित के साथ थे. अजित के साथ धनंजय भी मंत्री बने. 2024 में धनंजय की वजह से बीजेपी परली के मैदान में नहीं उतरी. 2024 में जब सरकार गठन हुआ तो धनंजय को भी एनसीपी कोटे से जगह मिली. धनंजय के पास खाद्य, उपभोक्ता एवं आपूर्ति विभाग है.

## रेलवे के लिए बजट में बड़े बदलाव सान नहीं

**नई दिल्ली.** बजट 2025 में भारतीय रेलवे के पूंजीगत व्यय आवंटन में 15-20% का इजाफा किया जा सकता है। यह उम्मीद इसलिए की जा रही है क्योंकि इस में चालू वर्ष का आवंटन समय पर खर्च हो जाने की उम्मीद है। देश के सबसे बड़े ट्रांसपोर्टर के लिए बजट 2025-26 में कुल पूंजीगत व्यय आवंटन (कैपेक्स) का चालू वित्त वर्ष के 2.65 लाख करोड़ से बढ़ाकर 3 लाख करोड़ से अधिक किया जा सकता है।

## सुविचार

आत्मसंतुष्टि ही जीवन की सच्ची समृद्धि है
इसे पाने का प्रयास हमे करना चाहिए.

## संपादकीय

# भारत-बांग्लादेश के बीच बाड़बंदी बन रहा नया मुद्दा

### आपसी समझदारी से बढ़ने की जरूरत

❍ सीमा पर बाड़ लगाने के मसले को बांग्लादेश ने जिस तरह भारत के साथ दोस्ताना रिश्तों से जोड़ा है, उससे साफ है कि मामला सिर्फ उतना ही नहीं है, जितना दिख रहा है। बात यह नहीं कि बाड़ लगाने से दोनों पक्षों में तनाव और अविश्वास बढ़ रहा है, असलियत यह है कि रिश्तों में अविश्वास बढ़ने की वजह से बाड़बंदी को मुद्दा बनाया जा रहा है। इस बात की पुष्टि तब होती है जब बाड़बंदी से जुड़े ताजा विवाद को हम समग्रता में देखने का प्रयास करते हैं। रविवार को बांग्लादेश के विदेश सचिव ने भारतीय हाई कमिश्नर से मुलाकात में आरोप लगाया कि भारत 5 जगहों पर बाड़ लगाकर द्विपक्षीय संबंधों का उल्लंघन कर रहा है।

तथ्य यह है कि सीमा सुरक्षा के लिहाज से बाड़ लगाने पर दोनों देशों में पहले से सहमति बनी हुई है। जहां भी बाड़ लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई है, उसके बारे में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के साथ न केवल बातचीत हो चुकी है बल्कि उनमें सहमति भी बन चुकी है। बांग्लादेश के रुख में अचानक आए इस बदलाव की जड़ में है वहां हुआ सत्ता परिवर्तन। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भागकर भारत आने के बाद से वहां बनी सरकार पुराने तय हो चुके मसलों पर भी सवाल उठा रही है। बाड़बंदी को लेकर दोनों पक्षों में हुए समझौतों पर सवाल उठाना भी इसी का एक उदाहरण है। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर भी उसका यही राग बरकरार है कि वे घटनाएं बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा रही हैं। हालांकि जब इन घटनाओं को छुपाना या उनका खंडन करना संभव नहीं रह गया तो अब नई व्याख्या यह दी गई है कि उन घटनाओं का स्वरूप सांप्रदायिक नहीं, राजनीतिक है। खासकर बांग्लादेश की नई सरकार ने पाकिस्तान के साथ करीबी दिखाते हुए पाकिस्तानियों को वहां आसानी से प्रवेश देने की जो नीति अपनाई है उससे यह आशंका बढ़ गई है कि आतंकी तत्व बांग्लादेश के रास्ते भारत आ सकते हैं। जाहिर है, भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरत सकता। बांग्लादेश को समझना होगा कि दोस्ताना रिश्तों का भविष्य बातचीत के जरिए आपसी समझदारी बढ़ाने में है, अलग-अलग मुद्दों पर तनाव बढ़ाने में नहीं।

## जल पर कविता

पानी है कितना अनमोल,
जान लो
तुम इसका मोल,
बिना धरती है सुनी,
बिन पानी जीवन का नहीं है मोल।
पानी से ये धरती बनी,
पानी से बने हम और तुम,
पानी से हरियाली यहाँ,
बिना पानी यहाँ सब गुम।
पानी नहीं रहे धरती पर ,
सूखा पड़ जाए इस धरती पर,
ना रहे कोई जीवित यहाँ,
शमशान बन जाएगा इस धरती पर,
पानी से जीवन है प्यारे,
पानी से जीवित है सारे ,
पानी है कितना अनमोल ,
जान लो तुम इसका मोल।

सुमय्या परवीन अंसारी, कक्षा 7 (ब), अंजुमन हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज, सदर, नागपूर.

# कुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की गिनती कैसे होती है?

❒ प्रयागराज में इस साल का कुंभ मेला 13 जनवरी से शुरू हो चुका है और यह 26 फरवरी तक चलेगा. गुरुवार 16 जनवरी को इसका चौथा दिन है. वहीं, प्रशासन का दावा है कि पहले शाही स्नान (14 जनवरी) के दिन ही 3.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई. पिछले तीन दिन में 6 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं. इन 45 दिनों के दौरान 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद जताई गई है. यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक्स पर इस आंकड़े को साझा किया था, मगर सवाल उठता है कि इतनी विशाल भीड़ की सही गिनती आखिर की कैसे जाती है? आइए समझते हैं. कुंभ मेले में श्रद्धालुओं की गिनती का सिलसिला 19वीं सदी में शुरू हुआ था. 1882 के कुंभ में अंग्रेजों ने प्रमुख रास्तों पर बैरियर लगाकर गिनती की थी. रेलवे टिकट बिक्री के आंकड़ों से भी मेले में पहुंचने वाले लोगों का अनुमान लगाया गया. उस समय, लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं के संगम तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया था. 1906 के कुंभ में करीब 25 लाख लोग शामिल हुए थे. इसी तरह, 1918 के महाकुंभ में करीब 30 लाख लोगों ने संगम में डुबकी लगाई थी. श्रद्धालुओं की संख्या का अंदाजा नावों, ट्रेनों, बसों और निजी वाहनों से आने वाले लोगों की गणना से भी लगाया जाता है. साधु-संतों और अखाड़ों में आने वाले भक्तों की गिनती को भी कुल आंकड़ों में जोड़ा जाता है. हालांकि, एक ही व्यक्ति की गिनती कई बार हो सकती है, क्योंकि कई लोग अलग-अलग घाटों पर स्नान करते हैं या मेले के अलग अलग हिस्सों में घूमते हैं. 2013 से पहले मेले में आने वाले लोगों की संख्या का अनुमान डीएम और एसएसपी की रिपोर्ट के आधार पर लगाया जाता था. इसमें बसों, ट्रेनों और निजी वाहनों के आंकड़े शामिल होते थे. अखाड़ों से भी उनके भक्तों की जानकारी ली जाती थी. पहले गिनती थोड़ी आसान भी थी मगर अब अब, बढ़ती भीड़ और शहर में यातायात प्रबंधन की वजह से यह काम काफी जटिल हो गया है. 2013 के कुंभ में पहली बार सांख्यिकीय तरीके का इस्तेमाल किया गया. इसमें स्नान के लिए जरूरी जगह और समय को आधार माना गया. आंकड़ों के मुताबिक, एक व्यक्ति को स्नान के लिए 0.25 मीटर जगह और 15 मिनट का समय चाहिए. इस तरह, एक घंटे में एक घाट पर लगभग 12,500 लोग स्नान कर सकते हैं. इस साल, प्रयागराज में 44 घाटों को स्नान के लिए तैयार किया गया है. अगर इन सभी घाटों पर 18 घंटे तक लगातार स्नान हो, तो भी प्रशासन की तरफ से दिए गए आंकड़ों से यह संख्या काफी कम बैठती है.

डॉ. एम.ए.रशीद, नागपूर

शुक्रवार स्पेशल | भाग (72)

# धन्य है वह निकाह जिसमें वित्तीय बोझ कम हो

## मुस्लिम समुदाय को निकाह में दहेज के उन्मूलन और नक़्द मेहर प्रथा पर जागृति अभियान चलाना चाहिए

❒ माता-पिता द्वारा अपनी बेटी को विवाह के अवसर पर उपहार देना कभी भी गलत नहीं माना जाता था, लेकिन जब से इन उपहारों ने एक लोकप्रिय प्रथा में दहेज का रूप ले लिया, तब से मुस्लिम समुदाय के लिए कई प्रकार की सामाजिक समस्याएं पैदा हो गईं। वस्तुत: दहेज की प्रथा ने जो रूप धारण कर लिया है वह असंख्य मिथकों का हिस्सा है, जिसके कारण मुसलमानों को धार्मिक और सांसारिक दोनों प्रकार की हानियां उठानी पड़ रही है, सबसे बड़ी और स्पष्ट हानि जो हम प्रतिदिन देखते हैं वह यह कि लड़कियाँ और उनका परिवार उनकी बिना शादी के रोते रहता हैं और अगर उनकी शादी हो भी जाती है तो दहेज की कमी के कारण उन्हें तरह-तरह के तानों और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। देखा जाए तो हमारे देश में दहेज का स्वरूप काफी समय से प्रचलित है। इस प्रथा का स्वरूप यह है कि विवाह के अवसर पर लड़की को उसके माता-पिता द्वारा यथासंभव घरेलू सामान उपलब्ध कराया जाता है और फिर स्थापित रीति-रिवाज के अनुसार उसे विरासत से बेदखल कर दिया जाता है।

यह प्रथा इतनी आम हो गई कि विवाह के अवसर पर कन्या को दहेज देना विवाह का एक अनिवार्य अंग माना जाने लगा। कन्या की शादी, निकाह के लिए पूरा परिवार दहेज के आवश्यक सामान तैयार करने में जुट जाता है। अगर किसी लड़की के माता-पिता ग़रीबी के कारण दहेज के लिए सामान तैयार नहीं कर पाते तो कोई भी उससे शादी करने को तैयार नहीं होता। इसलिए माता-पिता को प्रत्येक लड़की के लिए पूरा घर का सामान अपनी तरफ़ से इकट्ठा करना पड़ता है। पारिवारिक सदस्य इस में अपना हक़ अदा करने के लिए बहुत से तरीके अपनाने लगते हैं।

जहेज़ के नाम पर एक और बुरी प्रथा इस प्रकार से विकसित हो गई है कि इस प्रथा में कभी-कभी कुछ ऐसी मूल्यवान वस्तुओं की मांग होती है जिनकी सामान्यतः आवश्यकता नहीं होती। इस नवप्रवर्तन के लिए अधिकांश लोगों को ऋण का सहारा लेना पड़ता है, इतना ही नहीं यदि ब्याज मुक्त ऋण नहीं मिलता है तो सूदखोर ऋण लेकर इसकी पूर्ति की जाती है, जिससे असंख्य बुराइयों का द्वार खुल जाता है। उस क़र्ज़ में लड़की के पिता की गर्दन फंस जाती है जिसे वह जीते जी नहीं निकल पाता। मुस्लिम समुदाय में भी दहेज उसी स्वरूप में प्रचलित हो गया जिस रूप में यह समाज की संस्कृति में था। यह सब इसलिए कि हम इस्लामी शिक्षाओं से दूर और दुनिया से निकट हो गये हैं। ज़ाहिर है हर व्यक्ति के लिए अपनी प्रत्येक बेटी को दहेज देना संभव नहीं है।

अत: दहेज की कमी के कारण बच्चों की शादियों में रुकावटें आने लगीं। ऐसे उदाहरण तो असंख्य हैं कि दहेज में थोड़ा सा सामान लाने के कारण निर्दयी और कठोर हृदय वाले ससुराल पक्ष बड़े रहस्यमयी तरीके से उस बहू के साथ कितने क्रूरतम व्यवहार करते हैं कि सरकार को उसके उन्मूलन में दहेज प्रतिरोधक कानून बनाना पड़ा। दहेज प्रथा पर माता-पिता अपनी बेटी की शादी का कर्तव्य पूरा करने के लिए और भाई अपनी बहनों का घर बसाने के लिए इस सामाजिक अनुष्ठान को पूरा करने का प्रयास करते हैं। इसके लिए उन्हें खुद को जोखिम में डालना पड़ता है, भूख और कष्ट सहना पड़ता है या ब्याज पर कर्ज लेना, निषिद्ध और अवैध तरीकों से धन इकट्ठा करना और उधार सामान लाना जैसे ये सभी काम वे करते हैं।

ऐसे भी कुछ उदाहरण हैं जहां बच्चों के दहेज के लिए पैसों के लिए खून और किडनी बेची गईं! यह स्थिति उन लाचार और बेबस लोगों की है जिनके ऊपर किसी न किसी तरह से अपनी बेटियों के हाथ पीले करना होता है, वहीं दूसरी ओर स्थिति यह भी होती है कि लड़का और उसके माता-पिता (वर पक्ष) लड़की के चयन में दहेज को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं, यहां तक कि दहेज की मांग भी बहुत बेशर्मी से की जाती है, जैसे कि यह लड़के या उसकी मां (सास) का अधिकार है। जहां से दहेज न मिलने या थोड़ा दहेज मिलने की आशंका हो उस घर का रास्ता ही लोग भूल जाते हैं।

ग़रीब माता-पिता और उनकी युवा बेटियों पर क्या क्या बीतती है, कठोर हृदय वाले इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते! शादी के मौके पर दहेज का मुद्दा मुस्लिम समुदाय के लिए भयानक समस्या का रूप धारण करता जा रहा है। इसलिए इस्लाम को समस्त मानवता के लिए सबसे आसान धर्म मानने वाले एक आम मुसलमान से लेकर समाजशास्त्र के बड़े विशेषज्ञ तक हर और समझदार मानसिकता रखने वाले दहेज की प्रचलित विनाशकारी प्रथा से चिंतित है। यह सत्य है कि दहेज की प्रचलित प्रथा का उन्मूलन वास्तव में मानवता की बहुत बहुत बड़ी सेवा है।

इस से निजात के लिए मुस्लिम समुदाय को इस्लामी शिक्षाओं के पालन पर अधिक ध्यान देना चाहिए। हदीसे मुरसल में है कि "दुनिया का प्रेम हर बुराई की जड़ है" (जामे सग़ीर इमाम सियूती) इस्लामिक शिक्षाओं के अनुसार निकाह के बाद पत्नी के सभी ख़र्चों के लिए पति ज़िम्मेदार होता है, पत्नी के ऊपर बिल्कुल भी आवश्यक नहीं है कि वह अपने साथ बहुत सारी चीज़ें लाए। लड़की वालों पर सिर्फ इतनी ज़िम्मेदारी होती है कि वे उपयुक्त लड़के के साथ उसका रिश्ता कर दें। यह नहीं कि उसे धन और संपत्ति से नवाज़ें और यह नहीं कि दहेज देकर अपनी बेटी की इज़्ज़त को दांव पर लगाएं। सर्वोत्तम निकाह-विवाह के संबंध में मानवता के उपकारक और सुधारक पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने कहा कि "सबसे बाबरकत- धन्य निकाह विवाह वह है जिसमें सबसे कम वित्तीय बोझ हो"।

(मिश्कात शरीफ़) दहेज के संबंध में कभी-कभी ऐसा भी होता है कि लड़के वाले लड़की को बिठा देते हैं और कहते हैं कि हम तुम्हें तब तक नहीं रखेंगे जब तक अमुक चीज़, जो दहेज में नहीं मिली है, नहीं मिलेगी तो हम नहीं रखेंगे। मुस्लिम समुदाय को बड़ी गंभीरता से दहेज प्रथा पर विचार करना चाहिए कि क्या शरियत में इसकी इजाजत है भी या नहीं? बहुत सी समस्याओं में से एक यह भी है कि जो लोग दीन को छोड़ कर दहेज के आधार पर बेटी का निकाह- विवाह करते हैं तो उन्हें यह समझना चाहिए कि वे एक ओर अपनी बेटी को लालची लोगों को सौंप रहे हैं।

दूसरी ओर इस जहेज़ दान की वजह से ग़रीब बच्चियों के निकाह - विवाह नहीं हो पाते। जब इन बच्चियों की आहें निकलती होंगी तो वे दहेज दान करने वालों में से किसी न किसी पर अवश्य पड़ती होगी। पूरे पवित्र क़ुरआन और हदीस ग्रंथों में दहेज जहेज़ का उल्लेख नहीं है। यदि इस संबंध में पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम की राजकुमारियों पर ध्यान दें तो आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की 4 राजकुमारियों में हज़रत फ़ातिमा ज़ौहरा रज़ि का मामला प्रस्तुत किया जाता है। शेष तीन राजकुमारियों का मामला नहीं बताया जाता है। सर्वविदित है कि सैय्यदना अली मुर्तज़ा (रज़ि) आर्थिक रूप से बहुत कमज़ोर थे। यह घटनाक्रम सभी जानते हैं कि मेहर की अदायगी के लिए उनके पास रक़म भी नहीं थी। पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने राजकुमारी हज़रत फ़ातिमा ज़ौहरा रज़ि को क्या ज़रा सा सहयोग कर दिया तो मुस्लिम समुदाय ने उसे जहेज़ दहेज देने का रूप बना दिया। वर्तमान दशा में पिता अपने खून-पसीने की कमाई से कहां-कहां से कर्ज मांगकर दामाद की मांगें पूरी कर रहा है, वह अपना कलेजा दामाद के हाथों थमाता है और दामाद है कि वह उसके कलेजे के साथ उसकी संपत्ति पर भी हाथ मार रहा होता है। अपने सीने पर हाथ रख कर बताईए कि जब लड़की घर से विदा हो जाती है तब उसके माता-पिता, परिवार के दिल पर क्या क्या बीतती है!

विदाई के साथ जहेज़ दहेज जिसकी कोई इस्लामी शिक्षाएं नहीं मिलती तो ऐसा माल भ्रष्टाचार और अत्याचार का आधार बनता है, जो वास्तव में निंदनीय है। जब निकाह-विवाह धन के आधार पर होगा तो यह दर्दनाक मामले का स्वरूप लेगा। किसी न किसी के श्राप का कारण बनेगा। मुस्लिम समुदाय को इस बात पर अवश्य ज़ोर देना चाहिए कि लड़का अपने निकाह के वक्त पत्नी को नक़्द मेहर दे दे। निकाह विवाह में दहेज से ज़्यादा अहम कार्य मेहर की नक़्द अदायगी है। जिसे नक़्द अदा नहीं किया जाता और उसकी अवहेलना की जाती है। मुस्लिम समुदाय को इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उसे दहेज प्रथा के उन्मूलन के साथ ही नक़्द मेहर प्रथा के लिए जाग्रति अभियान चलाना चाहिए।

# लोकतांत्रिक व्यवस्था में मुस्लिम राष्ट्रवाद का दुष्प्रभाव

प्रो बंदिनी कुमारी (लेखिका समाज शास्त्र की प्रोफेसर हैं और उत्तर प्रदेश के डिग्री कॉलेज में कार्यकर्ता हैं)

❍ भारत में हाल के वर्षों में हिज्ब-उत-तहरीर की गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ी है। हिज्ब-उत-तहरीर एक अंतरराष्ट्रीय इस्लामी संगठन है, जिसका उद्देश्य इस्लामी ख़िलाफ़त को पुनः स्थापित करना है। इसका नाम अरबी में "हिज्ब-उत-तहरीर" है जिसका अर्थ "मुक्ति की पार्टी" है,1953 में फ़िलिस्तीन में तकीउद्दीन नबहानी नामक व्यक्ति द्वारा स्थापित किया गया था। हिज्ब-उत-तहरीर का दावा है कि वह राजनीतिक, बौद्धिक और वैचारिक तरीक़ों के माध्यम से काम करता है। संगठन का मानना है कि मुसलमानों को एक ख़लीफ़ा के नेतृत्व में एकजुट होना चाहिए, जो शरीयत कानून के अनुसार शासन करे। इसका मुख्य उद्देश्य एक वैश्विक इस्लामी ख़िलाफ़त की स्थापना है जो कि मुसलमानों की राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन को इस्लामी सिद्धांतों के अनुसार नियंत्रित करे। वस्तुतः इस संगठन का दावा और हक़ीक़त दोनों एक दूसरे के विपरीत है। कई देशों में हिज्ब-उत-तहरीर पर प्रतिबंध लगा हुआ है क्योंकि इसे राष्ट्र की सुरक्षा के लिए ख़तरा माना जाता है। इसके बावजूद, यह संगठन विभिन्न देशों में सक्रिय है और अपने उद्देश्यों के लिए प्रचार करता रहता है। हिज्ब-उत-तहरीर का भारत में बहुत व्यापक आधार नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इसके प्रभाव और गतिविधियों पर ध्यान दिया गया है। हिज्ब-उत-तहरीर का मुख्य उद्देश्य एक इस्लामी ख़िलाफ़त स्थापित करना है, जो भारत के संविधान और धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। हिज्ब-उत-तहरीर ने भारत में बहुत अधिक खुले तौर पर गतिविधियाँ नहीं की हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह गुप्त रूप से भारत में सक्रिय है। संगठन के सदस्यों पर भारत के विभिन्न हिस्सों में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और ख़िलाफ़त की विचारधारा फैलाने का आरोप लगा है। भारत में सुरक्षा एजेंसियाँ इस संगठन पर नज़र रखती हैं और इसके संभावित नेटवर्क को रोकने के प्रयास करती हैं।इस क्रम में भारत सरकार ने हाल ही में इस कट्टरपंथी समूह को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि हिज्ब-उत-तहरीर का लक्ष्य लोकतांत्रिक सरकार को जिहाद के माध्यम से हटाकर भारत सहित विश्वस्तर पर इस्लामी देश और खिलाफत स्थापित करना है। मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि हिज्ब-उत-तहरीर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर HuT को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करने के साथ, यह समझना महत्वपूर्ण है कि न केवल इसकी गतिविधियाँ भारतीय कानून के तहत अवैध हैं, बल्कि यह भी कि वे मूल इस्लामी सिद्धांतों का खंडन कैसे

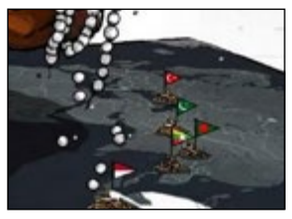

करती हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय के लिए दोहरी दुविधा पैदा होती है। भारत का संविधान धर्म और राज्य के मामलों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखते हुए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को सुनिश्चित करता है। यह अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतंत्र, मतदान और मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करता है। HuT के सदस्यों की हरकतें, जिनमें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भागीदारी के खिलाफ़ प्रचार करना, संविधान को चुनौती देना और शरिया कानून द्वारा शासित वैकल्पिक राज्य को बढ़ावा देना शामिल है, देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को खतरे में डालती हैं। लोकतंत्र के प्रति HuT का वैचारिक विरोध खुद को उन मूल सिद्धांतों के खिलाफ़ खड़ा करता है, जिन्होंने मुसलमानों सहित विभिन्न समुदायों को भारत में शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व की अनुमति दी है। संविधान विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देकर, संगठन न केवल मुसलमानों और बड़े समाज के बीच दरार पैदा करता है, बल्कि एक अलगाववादी रवैये को भी बढ़ावा देता है, जो सामाजिक सामंजस्य में बाधा डालता है। HuT की गतिविधियाँ न केवल भारतीय कानूनी ढांचे के भीतर समस्याग्रस्त हैं, बल्कि इस्लामी शिक्षाओं का भी खंडन करती हैं। इस्लाम, एक आस्था के रूप में, व्यवस्था, न्याय और अराजकता (फ़ितना) से बचने को महत्व देता है। इस्लामी राजनीतिक विचार में एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि किसी भी वैध इस्लामी शासन को एक वैध प्रक्रिया के माध्यम से आना चाहिए, विशेष रूप से व्यापक सामुदायिक समर्थन वाले मुस्लिम शासक (इमाम या खलीफा) के नेतृत्व में। विद्रोह या स्पष्ट अधिकार के बिना शासन स्थापित करने का प्रयास अराजकता को जन्म दे सकता है, जिसे इस्लाम में दृढ़ता से हतोत्साहित किया जाता है। पैगंबर मुहम्मद ने समाज में फ़ितना (अराजकता और संघर्ष) पैदा करने वाली कार्रवाइयों के खिलाफ़ चेतावनी दी थी। उन्होंने इस्लामी राज्य के लिए अनधिकृत आह्वान के ज़रिए फूट को बढ़ावा देने के बजाय स्थापित प्राधिकरण के ज़रिए एकता बनाए रखने और न्याय को बनाए रखने पर ज़ोर दिया। वास्तव में, दुनिया भर के इस्लामी विद्वानों ने नेतृत्वहीन आंदोलनों के खिलाफ़ चेतावनी दी है जो अशांति भड़काकर व्यवस्था बदलने की कोशिश करते हैं। HuT की तरह ये आंदोलन न केवल समुदाय के हितों को नुकसान पहुँचाते हैं बल्कि सामाजिक शांति और सद्भाव प्राप्त करने के व्यापक इस्लामी उद्देश्य के भी विपरीत हैं। HuT की वकालत के सबसे चिंताजनक पहलुओं में से एक मुस्लिम युवाओं पर इसका प्रभाव है, जो अक्सर अपने कार्यों के परिणामों को पूरी तरह से समझे बिना एक काल्पनिक इस्लामी राज्य के वादे से बहक जाते हैं। HuT की विचारधारा से प्रभावित कई युवा मुस्लिम ऐसी गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं जो भारतीय कानून के तहत अवैध हैं, जिसके कारण उन्हें गिरफ़्तार किया जाता है और लंबे समय तक जेल में रहना पड़ता है।

ये युवा, समाज के योगदानकर्ता सदस्य बनने के बजाय, खुद को कारावास, अलगाव और वंचितता के चक्र में फँसा हुआ पाते हैं। इस्लामी शासन के तहत बेहतर जीवन के HuT के वादे खोखले हैं, क्योंकि वे युवाओं को ऐसे रास्तों पर धकेलते हैं, जो आपराधिक रिकॉर्ड, खोए हुए अवसर और खंडित जीवन का कारण बन सकते हैं। मुस्लिम युवाओं को यह एहसास कराने की ज़रूरत है कि इस्लाम सामाजिक शांति को बाधित करने वाले कार्यों की वकालत नहीं करता है और हिंसक विद्रोह या संवैधानिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के आह्वान गुमराह करने वाले हैं। मौजूदा लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर सामाजिक-आर्थिक विकास, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी की ज़रूरत ज़्यादा ज़रूरी है, बजाय इसके कि एक अप्राप्य और विभाजनकारी लक्ष्य की वकालत की जाए जो भारतीय कानून और इस्लामी सिद्धांतों दोनों के विपरीत है। यह ज़रूरी है कि मुस्लिम विद्वान, नेता और सामुदायिक संगठन HuT जैसे संगठनों द्वारा बताए गए आख्यानों को संबोधित करें, जो न केवल अवैध हैं, बल्कि धार्मिक रूप से भी गलत हैं। इस्लामी शिक्षाएँ मुसलमानों को अपने समाज में न्यायपूर्ण और सक्रिय भागीदार बनने, कानून के दायरे में अच्छाई को बढ़ावा देने और नुकसान को रोकने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

विभाजनकारी विचारधाराओं का शिकार होने के बजाय, मुस्लिम समुदाय को भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के साथ रचनात्मक जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसमें मतदान, राजनीतिक भागीदारी और समान अधिकारों की वकालत शामिल है, जिससे विद्रोह या कट्टरपंथ के विनाशकारी परिणामों के बिना समुदाय का उत्थान हो सकता है। मुस्लिम युवाओं को यह बताया जाना चाहिए कि सच्चा इस्लामी शासन न्याय, व्यवस्था और शांति के बारे में है- ऐसे मूल्य जिन्हें भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के भीतर बरकरार रखा जा सकता है। उथल-पुथल के लिए कट्टरपंथी आह्वानों को अस्वीकार करके, मुसलमान एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम कर सकते हैं जहाँ वे अपने विश्वास या अपनी स्वतंत्रता से समझौता किए बिना समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें।

## आस्था

# माघ महीने में आने वाली संकष्टी चतुर्थी आज

❍ संकष्टी चौथ व्रत हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है, और इसे गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना के लिए मनाया जाता है. इसे व्रती महिलाएं संतान की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और विघ्नों के नाश के लिए रखती हैं. इस व्रत को माघ महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है. इस दिन गणपति जी की पूजा चंद्रोदय के बाद की जाती है. व्रती भगवान गणेश को दूर्वा, लड्डू, फूल और प्रसाद अर्पित करते हैं. साथ ही, "ॐ गण गणपतये नमः" मंत्र का जाप करना भी फलदायी माना जाता है. आइए जानते हैं सकट चौथ के दिन किस शुभ मुहूर्त में गणेश जी की पूजा- अर्चना करें. और शाम को चंद्रोदय समय का क्या रहेगा? वैदिक पंचांग के अनुसार, माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 16 जनवरी को सुबह 4:09 मिनट पर हो गई है. वहीं, इस चतुर्थी का समापन 17 जनवरी को सुबह 5:33 मिनट पर होगा. ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, सकट चौथ का व्रत 17 जनवरी 2025 को रखा जाएगा. शाम में चंद्रमा के दर्शन करने के बाद ही सकट चौथ का व्रत खोला जाता है. सकट चौथ व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें. शाम में गणेश जी की प्रतिमा को गंगाजल से स्नान कराएं और उन्हें नए वस्त्र पहनाएं. गणेश जी को 16 श्रृंगार करें, जैसे सिंदूर, मेहंदी, चंदन आदि जरूर लगाएं. गणेश जी के सामने धूप और दीप जलाएं. फिर गणेश जी को मोदक, दूध, फल आदि का भोग लगाएं. और गणेश जी से संतान की लंबी आयु, सुख-समृद्धि की मंगल कामना करें. सबसे आखिर में शाम को चंद्रमा को अर्घ्य दें और व्रत खोलें. इस दिन तिल और गुड़ से बनी चीजें विशेष रूप से खाई जाती हैं और प्रसाद के रूप में बांटी जाती हैं. सकट चौथ का व्रत विशेष तौर पर संतान की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है.

हृदय स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम दवा
> कैप. हृदय कवच, कैप. कार्डिओ अमृत, को-एच और क्लीन हार्ट सिरप

❒ यह सभी हृदय रोगों से बचाव के लिए प्रभावी दवाएं हैं। आयुर्वेद एक शाश्वत चिकित्सा शास्त्र है। जिसमें शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा गया है। इसकी चिकित्सा औषधी अत्यंत विशुद्ध अमृततुल्य होती है। जो दुष्परिणाम विरहित होकर चिकित्सा अपुनर्भव होती है अर्थात रोगों को समूल नष्ट कर देती हैं। इन उत्पादों के माध्यम से हृदय रोगों का प्रबंधन और उपचार संभव है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। आजकल की भागदौड़ की जिंदगी में असमय, अशास्त्रीय तरीके से खाना पिना, रात्रि जागरण मानसिक एवं शारीरिक तनाव, आधुनिक जीवन शैली इत्यादि के कारण ऑक्युपेशनल डिसऑर्डर अर्थात जिवनशैली से अथवा काम में संबंधित विकार होने शुरु हो गये है। उसमें हाई बि.पी, शुगर के साथ हृदय विकार भी आमतौर पर देखे जा रहे हैं। आजकल स्त्री हो या

पुरुष 18 साल के ऊपर की उम्र के किसी भी व्यक्ती को हृदय रोग होते हुए देखे जा रहे हैं। उसका कारण आजकल की अशास्त्रीय आधुनिक जीवन शैली के अलावा कोविड-19 पैन्डेमिक भी माना जा रहा है। टॅबलेट डॉ कोलो एच और क्लीन हार्ट सिरप अत्यंत प्रभावी औषधी पायी गयी है। उपर्युक्त वर्णित हृदय रोग चाहे वह किसी भी आयु की व्यक्ति का हो उपर्युक्त वर्णित औषधियों से समूल संपूर्ण, नष्ट हो जाता है। इसके साथ स्वस्थ व्यक्ती भी अपने हृदय को स्वस्थ रखने, बीपी कोलेस्ट्रॉल को नॉर्मल रखने के हेतु से उपर्युक्त वर्णित औषधि अनुभवी वैद्यों की सलाह एवं परामर्श से सेवन कर सकते है। शिव शंकर 'आयुर्वेद एजेंसी' द्वारा निर्मित कैप-हृदय कवच और कैप-कार्डियो अमृत जैसे उत्पाद, हृदय रोगों के प्रबंधन और उपचार के लिए उत्कृष्ट विकल्प हैं। ये औषधियां न केवल हृदय स्वास्थ्य में सुधार करती हैं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बढ़ाती हैं। योग कॉम्प्लेक्स, सिताबर्डी, टेम्पल बाजार रोड, महाजन मार्केट, नागपुर, आयुर्वेदिक दवाओं और उपचारों के साथ अधिक जानकारी और परामर्श के लिए, आप शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक और शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी से अथवा इस 9112079000 / 8605245080 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शुक्रवार, 17 जनवरी 2025

# जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली



## विश्वविद्यालयों में 'पर्यावरण संरक्षण' विषय पढ़ाएं : राज्यपाल

> सार्वजनिक शिक्षा, अनुसंधान और कार्यान्वयन पर्यावरण संरक्षण की त्रिमूर्ति हैं
> 'जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 2025' का शानदार उद्घाटन

**चंद्रपुर, सुनील तायडे**

शिक्षा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का पाठ पढ़ाने की जरूरत है। इसके लिए पर्यावरण शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। प्रत्येक विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण या संरक्षण की शिक्षा दी जानी चाहिए, इससे पर्यावरणविद् पैदा होंगे। पर्यावरण संरक्षण के नये विचार जन्म लेंगे ऐसा महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल सी.पी. का मानना है. इससे नये प्रयोग भी होंगे और संरक्षण के नये रास्ते भी निकलेंगे ऐसे वि चार महामहिम राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने व्यक्त किये।

एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2025' का उद्घाटन गुरुवार 16 जनवरी, 2025 को महामहिम राज्यपाल द्वारा किया गया। वह उस समय बात कर रहे थे. इस तीन दिवसीय बैठक में पूर्व वन, सांस्कृतिक कार्य एवं मत्स्य पालन मंत्री, विधायक सुधीर मुनगंटीवार की उपस्थिति रही. इसके अलावा एसएनडीटी की कुलपति डॉ. उज्वला चक्रदेव, विधायक देवराव भोंगले, जलपुरुष राजेंद्र सिंह, एसएनडीटी विलास नानिवाडेकर, अमेरिकी महावाणिज्यदूत सलिल क्वेडर, कुनी यूनिवर्सिटी न्यूयॉर्क के प्रोफेसर नील फिलिप, प्रभारी जिलाधिकारी विवेक जॉनसन, एसएनडीटी बल्लारपुर परिसर निदेशक राजेश इंगोले, इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त विपिन पालीवाल, गोंडवाना कुलपति डॉ. प्रशांत बोकरे आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि, 'मेरा मानना है कि चंद्रपुर में होने वाला सम्मेलन बड़ी जागरूकता पैदा करेगा. किसी भी अच्छे कार्य को करने के लिए सबसे पहले अच्छी मानसिकता और दिमाग की तैयारी की आवश्यकता होती है। यदि हां, तो सफलता अवश्य मिलेगी। कोई भी रातो रात दुनिया को नहीं बदल सकता. हर छोटा प्रयास बड़ी सफलता की ओर एक कदम है। भावी पीढ़ियों को सुरक्षित करने के प्रयास किए जाएंगे। ''जनसंख्या बढ़ रही है और जरूरतें भी। हम आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं। लेकिन इसकी सीमा होनी चाहिए. प्रकृति संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। पर्यावरण का संरक्षण जल संरक्षण और वृक्षों की सुरक्षा पर निर्भर करता है। राज्यपाल ने कहा कि, हमें इन दोनों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सुधीर मुनगंटीवार ने जोर देकर कहा कि सार्वजनिक शिक्षा, अनुसंधान और कार्यान्वयन पर्यावरण संरक्षण के तीन सिद्धांत हैं। 'यह वर्ष संविधान का अमृत जयंती वर्ष है. संविधान ने हमें जो अधिकार दिये हैं, वे सभी जानते हैं। लेकिन संविधान ने जो जिम्मेदारी दी है, जो कर्तव्य हमें दिया है, उसे भुला दिया गया है। तीन दिवसीय सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण के कर्तव्य पर चर्चा होने की उम्मीद है। इसके लिए सार्वजनिक शिक्षा, अनुसंधान, कार्रवाई और कार्यान्वयन पर जोर दिया जाना चाहिए।' उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि सी फॉर चंद्रपुर जलवायु परिवर्तन के लिए सी की लड़ाई में सबसे आगे रहेगा।

### 'बहुत चर्चाएं हुईं; अब कार्रवाई की जरूरत है'

यह सम्मेलन सिर्फ भाषण सुनने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। चर्चा और संवाद होगा. चिंता व्यक्त की जाएगी. लेकिन मेरा आग्रह है कि यह सम्मेलन यहीं तक सीमित नहीं रहना चाहिए। तीन दिन तक चर्चा करें. लेकिन ज्ञान अगर किताब में बंद है तो बेकार है। जलवायु परिवर्तन पर कई सम्मेलन हुए हैं। लेकिन इस पर अमल नहीं किया गया. कार्रवाई करने और समाधान लागू करने के लिए हमें कॉल करें। मुनगंटीवार ने कहा कि, जब जलवायु परिवर्तन का इतिहास लिखा जाए तो चंद्रपुर का नाम उसमें हो.

### पर्यावरण संरक्षण एक जन आंदोलन होना चाहिए

पर्यावरण संरक्षण का विषय चंद्रपुर की चर्चा तक नहीं होगा. मेरा मानना है कि ये एक जन आंदोलन बनेगा. मैंने महाराष्ट्र में 50 करोड़ पेड़ लगाए, आज परिणाम दिख रहे हैं।' भारतीय वन सर्वेक्षण में कहा गया है कि राज्य का हरित आवरण 2,550 वर्ग किलोमीटर बढ़ गया है. महाराष्ट्र में मैंग्रोव क्षेत्र में वृद्धि हुई है। पर्यावरण संरक्षण के लिए भी ऐसे ही प्रयास की जरूरत है। भविष्य में मैंने इस विषय पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया है ऐसा विधायक मुनगंटीवार ने अपने उद्बोधन में कहा.

## दिल में जीत के संकल्प की मशाल जलाओ: मुनगंटीवार

**चंद्रपुर.**

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। इसलिए जीवन की इस प्रतिस्पर्धा में अपने दिल में प्रयास की मशाल जलाते रहें। हृदय में पुरुषार्थ की पराकाष्ठा और विजय के संकल्प की मशाल जलाओ। उसके बाद दुनिया की कोई भी ताकत आपको हरा नहीं पायेगी, यह बात कहकर राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक कार्य एवं मत्स्य पालन मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया.

चंद्रपुर में सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित जिला स्तरीय खेल महोत्सव का उद्घाटन मुनगंटीवार द्वारा किया गया. वह उस समय बोल रहे थे. आईटीआई के अध्यक्ष सी.एम. राव, जिला व्यवसाय एवं प्रशिक्षण अधिकारी वैभव बोंगिरवार, प्राचार्य वानखेड़े, खेल अधिकारी जागरूक, स्टेट बैंक अधिकारी पवनकर भाजपा महासचिव डॉ. मंगेश गुलवाडे, भाजपा नेता प्रकाश धारने, मोरेश्वर गायकवाड

आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

उन्होंने कहा, 'मैंने इस जिले में 'मिशन ओलंपिक 2036' की शुरुआत की. हमारे जिले के खिलाड़ियों में ताकत है, गुणवत्ता है, हुनर है। लेकिन उन गुणों को प्रयासों के साथ जोड़ना होगा। यदि बीज को अलमारी में रखा जाए तो वह पेड़ नहीं बन पाएगा। यदि उसी बीज को जमीन में रोपा जाए और खाद दी जाए तो वह पेड़ बन जाता है। हमारे दिल में भी एक बीज है. लेकिन इसे पेड़ बनाने के लिए प्रयास करने होंगे।

चंद्रपुर के लोग भी कम नहीं हैं. सी फॉर चंद्रपुर की तरह, उनमें सी फॉर के चैंपियन बनने की क्षमता है। इसलिए हमने चंद्रपुर में महाराष्ट्र में सबसे अच्छी सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया।

## विदर्भ प्रो-कबड्डी टूर्नामेंट में नारंडा टीम प्रथम, नकोड़ा उपविजेता

> स्मार्ट विलेज बीबी द्वारा आयोजित टूर्नामेंट

**कोरपना.**

कैलिबर फाउंडेशन गड़चांदूर और जय शिवशंकर क्रीड़ा मंडल, बीबी ने संयुक्त रूप से जिला स्मार्ट गांव बीबी में स्वर्गीय निवृति धवस की स्मृति में विदर्भ स्तर के प्रो-कबड्डी मैचों का आयोजन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व विधायक सुभाष धोटे ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष के रूप में पूर्व पंचायत समिति अध्यक्ष साईनाथ कुलमेथे उपस्थित थे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में कृषि उपज बाजार समिति के अध्यक्ष अशोक बावने, वेंकटेश बालासानीवार, स्वागताध्यक्ष के रूप में सरपंच माधुरी टेकाम तथा उपसरपंच आशीष देरकर, कमलाबाई धवास, पुलिस पाटिल राहुल आसुटकर उपस्थित थे। तंटामुक्त समिति के स्वप्निल जुरमुरे, आनंदराव पावड़े, रामदास देरकर, उत्तम काले, देवराव ढेंगले, सुमित्रा राजुरकर और अन्य गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कमलाकर डेरकर ने किया। पुरस्कार वितरण सोमवार को किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आदर्श क्रीड़ा मंडल, नरंडा, द्वितीय पुरस्कार युवा सैनिक क्रीड़ा मंडल, नकोड़ा, तृतीय पुरस्कार जय जगन्नाथ क्रीड़ा मंडल, सांगोड़ा, चतुर्थ पुरस्कार जय जागनाथ क्रीड़ा मंडल, कढोली ने जीता , और पांचवां पुरस्कार जय बजरंग क्रीड़ा मंडल ने जीता. व्यक्तिगत पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ रेडर का पुरस्कार संकेत लांडगे, सर्वश्रेष्ठ कैच का पुरस्कार खुशाल घाटे तथा पसंदीदा खिलाड़ी का पुरस्कार समीर वाडगुरे को मिला। कार्यक्रम की सफलता के लिए जयराम ढेंगले, उदय काकड़े, संतोष जुरमुरे, आकाश कोडापे, निखिल हेपट, प्रशांत वाघमारे, विकास कुलमेठे, सचिन मडावी, स्वप्निल वैद्य, आशीष पोइंकर, विठ्ठल आत्राम, अमोल आत्राम, दयाल आत्राम, सुरेश मडकम, दीपक मडकम, करण रसेकर, आर्यन कुडमेथे, प्रतीक टेकाम, तुषार निखाड़े, अविनाश मट्टे, सोमेश्वर आत्राम, देवानंद मनूसमारे, साहिल शेख, सुनील कुडमेथे, कुणाल शिवणकर, गौरव मट्टे, रोशन हेपट, तोमेश देरकर, गौरव देरकर, नितेश आत्राम और गांव के नागरिकों और युवाओं ने सहयोग किया।

## जंगल मजदूर पर बाघ का जानलेवा हमला, मजदूर की मौत

> आतंकी बाघ को किया पिंजराबंद > बल्लारशाह वन क्षेत्र का हादसा

**राजुरा.**

बल्हारशाह वन परिक्षेत्र में वन्यजीव मानव संघर्ष का मामला सामने आने से पूरे इलाके में डर का माहौल छा गया. जंगल में बांस काटते समय एक मजदूर पर बाघ ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, मृतक का नाम लाल सिंह मडावी उम्र 57 वर्ष है और वह मूल रूप से मध्य प्रदेश राज्य का रहने वाला है। बांस कटाई कार्य के लिए जंगल में अपने और भी मजदूरों के साथ मजदूरी करने आया था. मध्य प्रदेश राज्य से कुछ मजदूर बांस काटने आए हैं, जब वे बल्हारशाह के आरक्षित वन खंड क्रमांक 493 में बांस हटाने का काम कर रहे थे, तभी सुबह तकरीबन 10 बजे एक बाघ ने लाल सिंह मड़ावी पर अचानक हमला कर दिया और उन्हें मौके पर ही मार डाला। घटना की जानकारी मिलते ही सहायक वन संरक्षक, मध्य चांदा वन प्रभाग, चंद्रपुर और वन रेंज अधिकारी, बल्हारशाह अपने अधीनस्थ वन कर्मचारियों के साथ तुरंत मौके पर उपस्थित हुए।

जब मौके का निरीक्षण किया गया तो लाल सिंह बारेलाल मड़ावी के शव के पास एक बाघ बैठा हुआ था. जब उन्होंने उक्त बाघ को भगाने का प्रयास किया तो बाघ वन अमले की ओर बढ़ रहा था। काफी देर तक बाघ के शव के पास बैठे रहने के कारण शाम करीब 4 बजे कुन्दन पोडचलवार, पशु चिकित्सा अधिकारी, वन्यजीव उपचार केंद्र, ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, चंद्रपुर, शूटर अविनाश के मार्गदर्शन में फुलज़ेले, वन रक्षक ने बाघ को बेहोश करने के लिए डॉट मारकर आतंकी बाघ को बेहोश किया. उक्त बेहोश बाघ की पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा जांच की गई और पिंजरे में बंद कर आगे की जांच के लिए वन्यजीव उपचार केंद्र, चंद्रपुर ले जाया गया। पशु चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि उक्त बाघ नर है और लगभग 4 वर्ष का है. इसके बाद मृत व्यक्ति के शव को कब्जे में लिया गया और पुलिस विभाग के कर्मचारियों के समक्ष मौका पंचनामा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस विभाग को सौंप दिया गया और मृतक के परिजनों को अस्थायी आर्थिक सहायता दी गई।

उक्त कार्यवाही उप प्रभागीय वन अधिकारी, चंद्रपुर, श्वेता बोड्डू, उप प्रभागीय वन अधिकारी, राजुरा पवन कुमार जोंग और सहायक वन संरक्षक, आदेश कुमार शेंडगे के मार्गदर्शन में वन क्षेत्र अधिकारी, बल्हारशाह नरेश भौवरे द्वारा पूरी की गई। उक्त कार्यवाही के दौरान पुलिस निरीक्षक बल्हारशाह सुनील गाडे, परिक्षेत्र सहायक के.एन. घुग्लोत, वी.पी. रामटेके वनरक्षक सुधीर बोकड़े, अनिल चौधरी, धर्मेंद्र मेश्राम, सुरेंद्रकुमार देशमुख, तानाजी कामले वर्षा पिपरे, उषा घोडवे,। वैशाली जानेकर, माया पवार,। पूजा टोंगे और एसपीडी बल्हारशाह स्क्वाड और पुलिस स्टेशन, बल्हारपुर के पुलिस कर्मियों ने सहायता की ।

## विधायक जोरगेवार ने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज कार्य का निरीक्षण किया

> संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में निरीक्षण > शेष धनराशि के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी

**चंद्रपुर.**

चंद्रपुर और संपूर्ण विदर्भ के मरीजों के लिए वरदान साबित होने वाले चंद्रपुर मेडिकल कॉलेज और कैंसर अस्पताल का काम अंतिम चरण में है। विधायक किशोर जोरगेवार ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों के साथ मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर यहां लंबित कार्यों की समीक्षा की. इस बार उन्होंने कहा कि वे लंबित कार्यों के लिए आवश्यक 180 करोड़ रुपये की धनराशि दिलाने का प्रयास करेंगे.

इस मौके पर सरकारी मेडिकल कॉलेज के डॉ. मिलिंद कांबले, डॉ. कपूरिया , रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर डॉ. निवृत्ति जीवने , भारतीय जनता पार्टी नेता दशरथ सिंह ठाकुर , तुषार सोम , मनोज पाल , अनिल फुलझेले मंडल अध्यक्ष दिनकर सोमलकर , पूर्व नगर सेवक चंद्रकला सोयम , वंदना जांभुलकर , जुमदे , वंदना हटगांवकर , सविता दांधारे , सैली येरने , आशा देशमुख , डॉ। गिरिधर येडे , धनराज कोवे , महेंद्र जुमड़े , सलीम शेख आदि उपस्थित थे.

चंद्रपुर मेडिकल कॉलेज का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है और फंड की कमी के कारण रुका हुआ है। इसलिए विधायक किशोर जोरगेवार उक्त निधि तत्काल उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत हैं. नागपुर के सत्र में विधायक किशोर जोरगेवार ने यह मुद्दा उठाया और शेष कार्यों को पूरा करने के लिए फंड की मांग की. तदनुसार, चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने मुंबई मंत्रालय में संबंधित विभाग की बैठक की और फर्नीचर खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया।

इस बीच मंगलवार को विधायक किशोर जोरगेवार ने मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर मौजूदा स्थिति का जायजा लिया. इस मौके पर उन्होंने मेडिकल कॉलेज परिसर का दौरा किया और बाकी कार्यों की प्रगति और कठिनाइयों के बारे में जाना. यह बात सामने आई है कि इसे पूरा करने के लिए फंड की कमी है. इसलिए, विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा है कि संबंधित विभागों को मंजूरी प्राप्त करने के लिए तुरंत निधि प्रस्ताव सरकार को भेजना चाहिए.

चंद्रपुर मेडिकल कॉलेज न केवल जिले के लिए बल्कि विदर्भ के कई जिलों के लिए महत्वपूर्ण होगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को तत्काल इलाज मिल सकेगा। साथ ही इलाज के लिए बाहर जाने वाले मरीजों की परेशानी भी कम होगी. उन्होंने यह भी बताया कि परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए सभी विभाग समन्वय से काम करें ।

बाकी कार्यों में आंतरिक उपकरण, डॉक्टरों के लिए सुविधाएं और छात्रों के लिए आवश्यक प्रयोगशाला उपकरण जल्द ही उपलब्ध होंगे। चंद्रपुर मेडिकल कॉलेज जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया अध्याय खोलेगा और इससे लाखों मरीजों को राहत मिलेगी। इसलिए इस विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा है कि वह फंड के लिए लगातार सरकार से मांग करेंगे. इस मौके पर बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे.

## मोदी जी ! महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति में योगदान दें: सांसद धानोरकर

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर चिंता व्यक्त की
> महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति खराब हो गई और महाराष्ट्र वित्तीय संकट में है इस पर पत्र में चिंता जताई

**चंद्रपुर.**

अक्टूबर 2024 में महाराष्ट्र राज्य में विधानसभा चुनाव हुए। इस समय गठबंधन सरकार ने कई घोषणाएं कीं. लेकिन महाराष्ट्र सरकार द्वारा उक्त घोषणा को क्रियान्वित करने हेतु कोई भी वित्तीय योजना नहीं बना पाने के कारण कई विकासात्मक कार्यों के लिए ठेकेदारों का भुगतान, विकलांगों को अनुदान, निराश्रित योजना के लिए

अनुदान, शिशु देखभाल योजना के लिए धनराशि और जारी परिपत्र सरकार की ओर से लड़कियों को मुफ्त उच्च शिक्षा देने और कॉलेज को दी जाने वाली फीस अभी भी लंबित है। इसके लिए सांसद प्रतिभा धानोरकर ने देश के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री से महाराष्ट्र सरकार की मदद करने का अनुरोध किया है. उन्होंने इस आशय का पत्र केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी दिया है. हालाँकि, यह तय है कि अगर केंद्र वित्तीय सहायता प्रदान करता है, तो यह महाराष्ट्र की वित्तीय योजना में योगदान देगा और आम लोगों की समस्याओं का समाधान करेगा।

## नटराज डान्स इन्स्टिट्यूट का 'सिल्वर फेस्टिवल'

**चंद्रपुर.**

चंद्रपुर में एकमात्र ख्याति प्राप्त नटराज डान्स इन्स्टिट्यूट के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रियदर्शनी सांस्कृतिक सभागृह यहा "रजत जयंती" मनाई गई। 1999 में सिर्फ 4 छात्रों के साथ शुरू हुए! नटराज डान्स इन्स्टिट्यूट अब तक 5000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है। नटराज डान्स इन्स्टिट्यूट के प्रशिक्षक अब्दुल जावेद ने अपने परिचयात्मक भाषण में कहा कि इन्स्टिट्युट के छात्र टॉलीवुड, बॉलीवुड और मराठी फिल्म क्षेत्र में चंद्रपुर का नाम रोशन कर रहे हैं।

इस रजत जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय ''सुपरमॉम' डांसिंग सुपरस्टार" नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस नृत्य प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न भागों से महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। नटराज डांस ग्रुप द्वारा भारतीय सिनेमा पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। सभी छात्र-छात्राएं नटराज इंस्टीट्यूट के कलाकारों ने एक घंटे तक बिना रुके नृत्य प्रस्तुत किया।

उनका मनमोहक नृत्य देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इस दौरान नटराज इंस्टिट्यूट के पुराने छात्र भी मौजूद थे। नटराज इंस्टिट्यूट के कुछ छात्र टॉलीवुड, बॉलीवुड, मराठी फिल्मों में लीड डांसर और असिस्टेंट कोरियोग्राफर छात्र कुमार शेट्टी, मानसी बुरिले, सिमरन वाघमारे परीक्षक के तौर पर मौजूद थे!

मुख्य अतिथि के रूप में भी सुभाष शिंदे, नरेंद्रजी पुगलिया, रामू तिवारी, बंडू धोत्रे, तपस्या सराफ, चेतन रामटेके, चेतन सोरते, श्रीकांत बुटले, आनंद कवाडे, डॉ. अभिजीत सावळकर,दिलीप गुरुवाले, प्रमोद खोब्रागडे, मृणालिनी खाडिलकर, सुषमा नगराले, नेत्रा इंगुलवार उपस्थित थे।

'सुपरमॉम' नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजया रामबुंदेवार, द्वितीय पुरस्कार रश्मि देशमुख नागपुर तथा तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से भाग्यश्री सिंह एवं स्वाति परचाके को प्रदान किया गया तथा अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए।

नटराज डान्स इन्स्टिट्यूट के पहिले चार विद्यार्थीयो का और क्लास इंस्ट्रक्टर का सत्कार किया गया! कुमार पागड़े, श्रीनिवास अरेवार, नारायण उइके, सुधीर वर्माकर, राज सिंह, सूरज पेंदाम को नृत्य प्रशिक्षक अब्दुल जावेद द्वारा सम्मानित किया गया। नटराज डान्स इन्स्टिट्यूट के सभी विद्यार्थियों को 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्मृति पदक प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की सफलता के लिए इम्रान शेख,सचिन धोत्रे, गौरव फंदी, शुभांगी काळे, सचिन बेंद्रे, राहुल उपरे, गणेश पायघन, अमित फुलझले, प्रेम सारसर, आशिष देठे, वसुधा गाऊत्रे, सुष्मिता सदशिवे, अंजना शेटी, स्मिता रामटेके, मोनीषा खोब्रागडे ,प्रियंका तांबगडे, रिंक्कु देठे, राजश्री मुन, सीमा टेकाडे,मीना रंगारी, अश्विनी देशमुख, नेहा उराडे, नीतू निर्वाण, सुरेखा रामटेके ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन नौशाद सिद्दीकी और तरन्नुम शेख ने किया!

## हंसराज अहीर ने किया जिला सामान्य अस्पताल का दौरा

**चंद्रपुर.**

चंद्रपुर जिला सामान्य अस्पताल में विभिन्न सुविधाओं की कमी , मरीजों और उनके रिश्तेदारों के उत्पीड़न और अस्पताल से संबंधित विभिन्न समस्याओं के बारे में नागरिकों की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए 14 जनवरी , 2025 को पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने अस्पताल का दौरा किया और उच्च अधिकारियों के साथ वहां की समस्याओं पर चर्चा की । डॉ. महादेव चिंचोले से चर्चा कर समस्याओं के निराकरण हेतु तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये.

जिला अस्पताल के भ्रमण के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों ने यहां पेयजल , स्वच्छता एवं अन्य समस्याओं के बारे में जानकारी दी । हंसराज अहीर ने जिला सर्जन के साथ कुछ कमरों का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और सर्जनों को आवश्यक निर्देश दिये . इस अवसर पर जिला महासचिव राहुल सूर्यवंशी , गौतम यादव, अमित क्षीरसागर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे .

ज़िला सामान्य अस्पताल में मरीजों को सही और असरदार रोगी की देखभाल उपलब्ध करने के लिए भी अस्पताल में सीटी स्कैन और अन्य मरम्मत से उपकरण चालू स्थिति में रखना और उसके फ़ायदे गरीब मरीजों को उपलब्ध करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है. जिला सरकारी अस्पताल के उच्च अधिकारियों को अहीर ने निर्देश दिया कि, बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए जो भी कदम उठाने की आवश्यकता है उसपर कड़ाई से अमल किया जाए.

# पूजा ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

पूजा ने इंस्टा पर एक और स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने लिखा है, "कोई भी घटना होने के बाद लोकल पुलिस सबसे पहले हमारा बचाव करती है. ये उनकी ड्यूटी है कि वो ऐसा एनवायरनमेंट बनाएं कि क्रिमिनल इतनी आसानी से किसी वारदात को अंजाम न दें सकें. बीट ऑफिसर को ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाने की कोशिश करनी चाहिए." इसके अलावा पूजा भट्ट ने एक्स पर भी पोस्ट किया, जहां उन्होंने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया है. एक्ट्रेस ने लिखा, "कानून और व्यवस्था. हमारे पास कानून तो है.लेकिन व्यवस्था का क्या?"सैफ अली खान के घर में आधी रात को घुसे हमलावर ने एक्टर पर जानलेवा हमला कर दिया. घायल एक्टर को इलाज के लिए लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सैफ के घर से सभी मेड शक के घेरे में हैं और क्राइम ब्रांच टीम एक्टर के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और टीम पूरी तरह से जांच करके पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर इस हमले के पीछे किसका हाथ है. इस मामले में फैन्स और सेलेब्स के रिएक्शन सामने आ रहे हैं और वो इस मामले पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं. इसपर एक्ट्रेस पूजा भट्ट और जूनियर एनटीआर का रिएक्श सामने आया है.

पूजा भट्ट ने एक्स और इंस्टाग्राम दोनों पर इस मामले को लेकर रिएक्शन दिया है. एक्ट्रेस ने इंस्टा पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें लिखा है कि सैफ अली खान पर हमला हो गया है और वो हॉस्पिटल में एडमिट हैं. इस पोस्ट पोस्ट को शेयर कर पूजा ने मुंबई पुलिस को टैग करते हुए लिखा, "मुंबई पुलिस प्लीज मुंबई स्पेशली बांद्रा को फिर से सुरक्षित बनाएं."

# इमरजेंसी' को लेकर पंजाब में विवाद

## एसजीपीसी ने सीएम से की फिल्म पर रोक की मांग

कंगना रनौत अपने बयान के साथ-साथ अपनी फिल्मों को लेकर भी हमेशा सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं. कंगना का नाम इन दिनों उनकी अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' के चलते लाइमलाइट में छाया हुआ है. फिल्म 'इमरजेंसी' 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है. लेकिन 'इमरजेंसी' की रिलीज से पहले ही ये लगातार विवादों में घिरी हुई नजर आ रही है. अब कंगना रनौत की फिल्म को लेकर पंजाब में विवाद शुरू हो गया है. एसजीपीसी ने इस फिल्म को बैन करने के लिए सीएम भगवंत मान को चिट्ठी तक लिख दी है.

एसजीपीसी (शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी) अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने 'इमरजेंसी' को पंजाब में रिलीज न होने देने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को खत लिखा है. एसजीपीसी की इस चिट्ठी में लिखा गया है कि इस फिल्म को पंजाब में न रिलीज होने दें. इस फिल्म की रिलीज के चलते पंजाब में हालात बिगड़ सकते हैं. उन्होंने ये भी कहा है कि अगर कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' पंजाब में रिलीज होती है, इसका पूरा विरोध करेगी.हरजिंदर सिंह धामी की माने तो कंगना की फिल्म में सिखों को गलत तरीके से सभी के सामने पेश किया गया है. ये फिल्म सिखों के खिलाफ दुष्प्रचार करेगी.

# थमन एस ने महेश बाबू की तुलना हॉलीवुड सुपरस्टार से की

महेश बाबू और एसएस राजामौली की आगामी फिल्म एसएसएमबी29 को लेकर लगातार जानकारी आ रही है। इसी बीच फिल्म संगीतकार थमन एस ने महेश बाबू के लुक की तुलना इस हॉलीवुड स्टार से की है। जब एक इंटरव्यू के दौरान थमन से आगामी फिल्म एसएसएमबी 29 के बारे में कुछ बताने के लिए कहा गया तब उन्होंने कहा कि फिल्म में विश्व स्तर पर 1000 करोड़ रुपये से अधिक का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जुटाने की क्षमता रखती है। थमन ने महेश बाबू

के साथ पहले फिल्म गुंटूर करम में काम किया था। उन्होंने सुपरस्टार की फैन फॉलोइंग और दर्शकों को फिल्म से क्या उम्मीदें हैं, इस बारे में बात की। साथ ही थनम ने महेश के बारे में एक बहुत ही खास प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''अगर जेम्स बॉन्ड हॉलीवुड का गौरव है, तो महेश बाबू टॉलीवुड के समकक्ष हैं। इस साल जनवरी में महेश बाबू और एसएस राजामौली ने एक पूजा समारोह के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए एक साथ आए। रिपोर्ट के अनुसार, एसएस राजामौली ने कथित तौर पर फिल्म के लिए मुख्य महिला किरदार को फाइनल कर लिया है और यह कोई और नहीं बल्कि प्रियंका चोपड़ा जोनस हैं, जो महेश बाबू के साथ टीम में शामिल होंगी।

# 'बजरंगी भाईजान' की रिवर्स फिल्म में अटकी जॉन की जान

दो साल पहले गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रिलीज जिस फिल्म 'पठान' ने हिंदी सिनेमा में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों के क्लब की शुरुआत की, उसके विलेन जॉन अब्राहम को लोग लगता है कि भूल ही चुके हैं। 25 जनवरी 2023 को रिलीज इस फिल्म से बनी हाइप को जॉन अब्राहम की बतौर हीरो फिल्म 'द डिप्लोमैट' के मेकर्स बीत साल जनवरी में भुनाने वाले थे लेकिन ऐन मौके पर ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म के एलान ने जॉन अब्राहम की फिल्म को हाशिये पर डाल दिया। फिल्म 'द डिप्लोमैट' तब से ही टी सीरीज के गोदाम में पड़ी धूल ही खाती रही और अब जाकर इस फिल्म को रिलीज करने की सुगबुगाहट फिर से शुरू हुई है। इस फिल्म का पोस्टर जॉन अब्राहम ने अपने पेज पर साल 2023 में 1 जुलाई को साझा किया था। बीते साल स्वतंत्रता दिवस पर जॉन अब्राहम की निखिल आडवाणी निर्देशित फिल्म 'वेदा' रिलीज

हुई थी। इस फिल्म की रिलीज से पहले इसकी प्रेस कांफ्रेंस में जिस तरह से जॉन ने मीडिया से अभद्रता की, उसके चलते फिल्म को बहुत ज्यादा नकारात्मक प्रचार हासिल हुआ।निखिल आडवाणी जैसे निर्देशक की फिल्म होने के बावजूद 'वेदा' की गिनती बीते साल की सुपरफ्लॉप फिल्मों में हुई और इसने फिल्म की हीरोइन शरवरी वाघ का ब्रांडिंग को भी बहुत नुकसान पहुंचाया। अब जॉन की कोशिश बतौर हीरो अपना करियर फिर से खड़ा करने की है। फिल्म 'द डिप्लोमैट' की कहानी सबको पहले से पता है कि ये सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' की रिवर्स है।

# 'फतेह' के बॉक्स ऑफिस से उखड़ रहे पांव

सोनू सूद ने 'फतेह' से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा, लेकिन अभिनेता से निर्देशक बने सोनू सूद की फिल्म बॉक्स ऑफिस फतेह करने में सफल नहीं दिखाई दे रही है।

पहले हफ्ते में ही फिल्म की कमाई लाखों में सिमट गई। इसका सामना राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' से हुआ। हालांकि, 'गेम चेंजर' फतेह की तुलना में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आइए जानते हैं फिल्म ने रिलीज के छठे दिन कितना कलेक्शन किया। फतेह' के छठे दिन के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने अब तक 67 लाख रुपये की कमाई की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 40 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। अगर, फिल्म का प्रदर्शन इसी तरह से रहा तो इसका अपनी लागत निकाल पाना भी मुश्किल हो जाएगा।

सोनू सूद की 'फतेह' के अब तक के कुल कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने अभी तक 9.87 करोड़ की कमाई की है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 2.4 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ शुरुआत की। इसके बाद दूसरे दिन यानी वीकेंड पर इसकी कमाई में मामूली गिरावट आई और यह 2.1 करोड़ रुपये रही। तीसरे दिन और रिलीज के पहले रविवार को फिल्म ने 2.25 करोड़ रुपये बटोरे। चौथे दिन यह 95 लाख की कमाई में सिमट गई। पांचवें दिन इसकी कमाई में फिर उछाल आया और इसने 1.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

# मालिनी अवस्थी ने किया संगम में पवित्र स्नान

हाल ही में लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने संगम में पवित्र स्नान किया। मकर संक्रांति पर महाकुंभ में शामिल होने पर मालिनी अवस्थी ने कहा, 'मकर संक्रांति के अवसर पर जब हम सभी ने संगम पर पवित्र डुबकी लगाई तो वह अनुभूति अद्भूत थी,ऐसे ठंडे मौसम में जब लोग अपने कंबलों से बाहर नहीं निकलते, बच्चे और बुजुर्ग सभी ने त्रिवेणी में डुबकी लगाकर अत्यधिक उत्साह दिखाया। पूरे आयोजन का प्रबंधन बेहद अच्छा रहा।'

# पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ने आ रहे थलपति विजय-बॉबी देओल

साउथ सिनेमा इस साल भी तगड़ी प्लानिंग कर रहा है. कई बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. इनमें से एक आखिरी फिल्म 'थलपति 69' है. इस पॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर फिल्म को लेकर तगड़ा बज बना हुआ है. इसके पीछे की वजह है खुद थलपति. यह उनकी आखिरी पिक्चर है, फिर वो एक्टिंग छोड़कर राजनीति ज्वाइन कर लेंगे. पॉलिटिक्स में एंट्री लेने से पहले वो जिस फिल्म पर काम कर रहे हैं, उसका बजट 1000 करोड़ बताया जा रहा है.

अब पता लगा कि बॉबी देओल-विजय की फिल्म ग्लोबल मार्केट पर गर्दा उड़ाने वाली है. साल 2024 में थलपति विजय की 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' आई थी. जिसे मिलाजुला रिस्पॉन्स मिला था. इसी बीच उनकी आखिरी फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट आया विजय की आखिरी पिक्चर तमिलनाडु में ऑल टाइम रिकॉर्ड बनाने का टारगेट लेकर चल रही है. क्या सच में 750 करोड़ रुपये छापेगी?

साउथ इंडस्ट्री में थलपति विजय बहुत बड़ा नाम हैं. उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है. ऐसे में जब उन्होंने आखिरी फिल्म लाने का ऐलान किया, तब एक वीडियो भी शेयर किया था. जिसमें लोग उनकी फिल्म को लेकर एक्साइटेड थे ही, साथ ही काफी इमोशनल भी नजर आए. उनकी थलपति69 को एच विनोथ डायरेक्ट कर रहे हैं. इसी बीच कहा जा रहा है कि फिल्म सिर्फ ग्लोबल मार्केट में 750 करोड़ रुपये कमाएगी.

# कॉन्सर्ट में बच्चों के लिए नियम सख्त

लोकप्रिय ब्रिटिश रॉक बैंड कोल्डप्ले का कॉन्सर्ट मुंबई में होने जा रहा है। कॉन्सर्ट का आयोजन 18, 19 और 21 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में होगा। इसके लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। फैंस के बीच भी उत्साह है। मगर, इस कॉन्सर्ट में बच्चों की सुरक्षा को लेकर नियम थोड़े सख्त किए गए हैं। बाल संरक्षण अधिकारी की तरफ से आयोजकों को बाकायदा नोटिस जारी किया गया है। ठाणे जिला प्रशासन ने नवी मुंबई में ब्रिटिश बैंड कोल्डप्ले के आगामी म्यूजिक कॉन्सर्ट के आयोजकों को एक नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कॉन्सर्ट में बच्चों को किसी भी रूप में स्टेज पर हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी जाए। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने कार्यक्रम के आयोजकों को भेजे गए नोटिस में कहा कि किसी भी बच्चे को बिना ईयरप्लग या हीयरिंग प्रोटेक्शन डिवाइस के कॉन्सर्ट में शामिल होने की इजाजत नहीं दी जाए।मालूम हो कि अपने 'म्यूजिक ऑफ द स्फेयर्स वर्ल्ड टूर' के दौरान ब्रिटिश बैंड ने ठाणे जिले के नवी मुंबई इलाके में स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में 18, 19 और 21 जनवरी को तीन शो आयोजित किए हैं। चंडीगढ़ के एक निवासी ने कार्यक्रम के दौरान बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए एक शिकायत दर्ज कराई, इस शिकायत के बाद ठाणे जिला अधिकारियों ने 14 जनवरी को संगीत समारोह के आयोजकों, कोल्डप्ले के फ्रंटमैन क्रिस मार्टिन और कार्यक्रम के टिकटिंग पार्टनर बुकमायशो को नोटिस जारी किया।

# लोकल टीवी पर टेलिकास्ट हुई गेम चेंजर

बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली शंकर निर्देशित राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म 'गेम चेंजर' फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पा रही है और हाल ही में स्थिति तब और खराब हो गई जब फिल्म पायरेटेड वेबसाइट पर लीक हो गई। रिलीज होने के कुछ ही दिनों बाद एक लोकल टीवी चैनल ने अवैध रूप से फिल्म का प्रसारण किया, जिससे निर्माता श्रीनिवास कुमार नाराज हो गए। अवैध टीवी प्रसारण के स्क्रीनशॉट तेजी से ऑनलाइन वायरल हो रहे हैं, जिस पर निर्माता श्रीनिवास कुमार नायडू ने सोशल मीडिया पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस तरह की चीजें बहुत ही गलत है। उनके ट्वीट में लिखा है, "यह गलत है। 4-5 दिन पहले रिलीज हुई एक फिल्म का

लोकल केबल चैनलों और बसों पर प्रसारण होना गंभीर चिंता का विषय है। सिनेमा सिर्फ हीरो, निर्देशक या निर्माता के बारे में नहीं है। यह 3-4 साल की कड़ी मेहनत और हजारों लोगों के सपनों का परिणाम है।

निर्माता ने यह भी बताया कि पायरेसी न केवल फिल्म निर्माताओं के प्रयासों को कमजोर करती है, बल्कि डिस्ट्रीब्यूटर्स और प्रदर्शकों की आजीविका को भी खतरे में डालती है, जो फिल्मों की सफलता पर निर्भर रहते हैं। श्रीनिवास कुमार ने इस जारी मुद्दे के समाधान के लिए सरकारी अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की, और इंडस्ट्री में सभी से सिनेमा के बेहतर भविष्य के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।गेम चेंजर की तो भले राम चरण की इस फिल्म की कमाई में काफी कमी आई है.

# भारतीय टीम को मिला नया बैटिंग कोच

## सितांशु कोटक इंग्लैंड सीरीज से संभालेंगे जिम्मेदारी

**नई दिल्ली.** भारतीय टीम अपने नए मिशन के लिए पूरी तरह तैयार है. उसे अपने ही घर में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है. इसका पहला मुकाबला 22 जनवरी को खेला जाएगा. टी20 के बाद दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी.

मगर इस सीरीज से पहले भारतीय टीम में एक बड़ा बदलाव किया गया है. सितांशु कोटक को भारतीय टीम का बल्लेबाजी कोच बनाया गया है. वो इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से ही अपनी यह जिम्मेदारी संभाल लेंगे. बता दें कि टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव संभालेंगे. सितांशु इससे पहले 2023 में भारतीय टीम में बतौर हेड कोच भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. उन्होंने यह जिम्मेदारी तब संभाली थी, जब राहुल द्रविड़ हेड कोच थे और वो आयरलैंड दौरे पर नहीं गए थे. तब सितांशु कोटक को राहुल द्रविड़ की गैरमौजूदगी में पहली बार भारतीय टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी मिली थी. इस बार उन्हें बैटिंग कोच बनाया गया है. हेड कोच बनने से पहले भी सितांशु भारतीय टीम के साथ 2022 में दो दौरों पर गए थे. वो 2019 से भारत-ए टीम के साथ भी जुड़े रहे. सितांशु को इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने सौराष्ट्र की तरफ से डोमस्टिक क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है.

सितांशु ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 130 मैच खेले हैं. इनमें वह 41.76 के एवरेज से 8061 रन बना चुके हैं. इन 130 मैचों की 211 पारियों में सितांशु के 15 शतक और 55 अर्धशतक शामिल है. वहीं 130 मैचों में गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 70 विकेट चटकाए हैं. 52 साल के सितांशु का लिस्ट-ए क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन है. उन्होंने लिस्ट-ए के 89 मैचों में 42.23 की एवरेज के साथ 3083 रन बनाए हैं. इन मैचों में सितांशु के 3 शतक और 26 अर्धशतक शामिल है. वहीं वह 89 मैचों में 54 विकेट भी चटका चुके है. सितांशु का लिस्ट-ए क्रिकेट में गेंदबाजी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 43 रन देकर 7 विकेट है.

# धोनी के सम्मान में 7 रुपये का सिक्का ला रही है सरकार?

**नई दिल्ली.**

महेंद्र सिंह धोनी को फैंस बहुत चाहते हैं. वो इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं लेकिन आज भी धोनी पॉपुलैरिटी के मामले में टॉप पर हैं. धोनी की यही पॉपुलैरिटी कहीं ना कहीं उनके फैंस के लिए बड़ी मुसीबत भी बन रही है क्योंकि उनके नाम पर एक ऐसी खबर सोशल मीडिया पर फैल रही है जो सच में चौंकाने वाली है. सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें फैली है कि सरकार धोनी के नाम पर 7 रुपये का सिक्का ला रही है, जिसमें उनकी तस्वीर भी छपी होगी. जबकि सच्चाई का इससे दूर-दूर तक नाता नहीं है.

धोनी के नाम पर 7 रुपये का सिक्का जारी होने की खबर कोरी अफवाह है, वो बिल्कुल गलत है. प्रेस इंफर्मेशन ब्यूरो के फैक्ट चेक में पता चला है कि ये वायरल दावा बिल्कुल गलत है. सरकार ने ऐसा कोई भी ऐलान नहीं किया है. पीआईबी फैक्ट चैक ने अपने एक्स हैंडल पर बताया कि 7 रुपये के सिक्के की तस्वीर फर्जी है और और इकोनॉमिक अफेयर्स के डिपार्टमेंट ने ऐसा सिक्का लाने की कोई बात ही नहीं कही है, ना ही भविष्य में ऐसा कोई विचार है.

धोनी के नाम पर तो कोई सिक्का जारी नहीं हो रहा है लेकिन एक क्रिकेटर ऐसा है जिसकी तस्वीर नोट पर छपी हुई है. ये खिलाड़ी हैं वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज फ्रैंक वॉरेल जो वेस्टइंडीज के पहले अश्वेत कप्तान भी थे. फ्रैंक वॉरेल की तस्वीर बारबाडोस के नोट पर छपी है. उनकी तस्वीर पांच डॉलर के नोट पर छपी हुई है. वॉरेल ने वेस्टइंडीज के सभी द्वीपों को एकजुट कर उनकी एक टीम बनाई थी. वॉरेल ने वेस्टइंडीज के लिए 51 टेस्ट में 49.48 की औसत से 3860

## संधोल की टीम ने जीती मेमोरियल वॉलीबॉल प्रतियोगिता

**नई दिल्ली.**

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले की भुक्कड़ पंचायत में हुई दो दिवसीय शहीद विजय कुमार मेमोरियल वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मंडी जिला की संधोल टीम विजेता और मेजबान भुक्कड़ की टीम उप विजेता बनी। प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मैच भुक्कड़ और समीरपुर की टीम के बीच खेला गया। इसमें भुक्कड़ की टीम ने समीरपुर को 2-1 के अंतर से पराजित करके फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच में मंडी जिले की संधोल की टीम और महल की टीम में कांटेदार टक्कर हुई। संधोल की टीम ने महल को 2-1 के अंतर से पराजित किया।

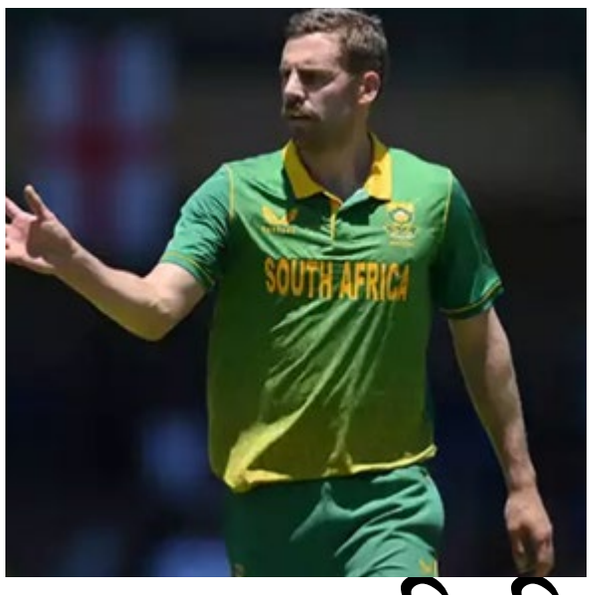

# साउथ अफ्रीकी बॉलर नॉर्त्या को बैक इंजुरी

**नई दिल्ली.**

13 जनवरी को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान हुआ था. अफ्रीकी टीम के ऐलान को अभी दो दिन भी नहीं हुए हैं कि स्टार तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया को लेकर बुरी खबर सामने आ रही है. वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए हैं. बताया जा रहा है कि वह चोटिल हैं. इसी वजह से उनका प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से पत्ता कटा है. नॉर्खिया की जगह अब अफ्रीकी टीम में किस खिलाड़ी को मौका मिलेगा? फिलहाल इस खबर की जानकारी नहीं मिल पाई है. हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी जगह पर गेराल्ड कोट्जे को टीम में शामिल किया जा सकता है. 24 वर्षीय कोट्जे उम्दा गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में बल्लेबाजी करने में भी माहिर हैं.आपको जानकर हैरानी होगी कि एनरिक नॉर्खिया की पहचान वर्ल्ड क्रिकेट में एक तेज तर्रार गेंदबाज के रूप में है. उन्होंने आईपीएल 2020 में 156.22 किमी. प्रति घंटे की स्पीड से एक गेंद डालते हुए सबको हैरान कर दिया था. वह मैदान में करीब 145 से ज्यादा की औसत स्पीड से गेंदबाजी करने के लिए मशहूर हैं.बात करें 31 वर्षीय तेज गेंदबाज के इंटरनेशनल क्रिकेट करियर के बारे में तो उन्होंने अफ्रीकी टीम के लिए अबतक कुल 19 टेस्ट, 22 वनडे और 42 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं. इस बीच उनको टेस्ट की 32 पारियों में 26.71 की औसत से 70, वनडे की 21 पारियों में 27.28 की औसत से 36 और टी20 की 41 पारियों में 19.17 की सफलता से 53 सफलता हाथ लगी है.

वहीं बात करें नॉर्खिया के आईपीएल करियर के बारे में तो उन्होंने यहां कई टीमों के लिए शिरकत करते हुए अबतक 46 मैच खेले हैं. इस बीच उनको 46 पारियों में 26.23 की औसत से 60 सफलता हासिल हुई है. आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 33 रन खर्च कर तीन विकेट है. टेंबा बावुमा, वियान मूल्डर, टोनी डी जॉर्जी, रासी वैन डर दुसां, एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कागिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एन्गिडी, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और रेयान रिकल्टन.

# बीसीसीआई की मीटिंग में माहौल गरमाया

**नई दिल्ली.**

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की 1-3 से शर्मनाक हार हुई. इसी हार की वजह से भारतीय टीम ने 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवा दी थी. साथ ही भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के मौजूदा साइकलि में फाइनल में भी नहीं पहुंच सकी. उससे पहले न्यूजीलैंड संग सीरीज में भी भारतीय टीम को 3-0 से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी थी.

इन दोनों ही दौरों के बाद और खासकर ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने 11 जनवरी (रविवार) को मुंबई में रिव्यू मीटिंग बुलाई. इस मीटगि में बताया गया कि भारतीय टीम के स्टार खलिाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा के फ्यूचर प्लान को लेकर चर्चा हुई. वहीं इस मीटिंग में इन दो खलिाड़ियों के अलावा 5 और खास बिंदुओं पर भी चर्चा हुई. जसि लेकर कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं. ऑस्ट्रेलयिा दौरे के बाद हुई भारतीय क्रिकेट टीम की रव्यिू मीटिंग में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. टीम इंडयिा के ड्रेसिंग रूम में खलिाड़ियों की अनुशासनहीनता से हेड कोच गौतम गंभीर नाराज बताए जा रहे हैं. उन्होंने रव्यिू मीटगि में टीम इंडयिा के राज खोले हैं. वहीं हाल में भारतीय क्रिकेट टीम में फैमलिी टूर को लेकर नयिमों में कई बदलाव हुए थे, संभवत: माना जा रहा है यह सब भी उस रव्यिू मीटिंग के बाद ही हुआ है. हेड कोच गौतम गंभीर ने रव्यिू मीटिंग में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज हारने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में अनुशासनहीनता के बारे में बात की थी. जो जानकारी आई है, उसके अनुसार- खलिाड़ियों की अनुशासनहीनता ही वह कारण है जिसके चलते बीसीसीआई टूर पर 2 सप्ताह तक परिवार के साथ रहने के कोविड-19 से पहले के नियमों पर वापस जा रहा है.

# शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा खेल पाना मुश्किल: प्रणय

**नई दिल्ली.**

पिछले कुछ महीनों से अपने जीवन और करियर में कई उतार चढाव झेल रहे एच एस प्रणय को संघर्षों ने कड़ी मेहनत करते रहने के लिये प्रेरित किया है और उनके मुताबिक विश्व बैडमिंटन में शीर्ष पर रहने के लिए यह सबसे जरूरी है ।

चोटों और चिकनगुनिया जैसी बीमारी झेल चुके प्रणय पेरिस ओलंपिक में प्री क्वार्टर फाइनल से ही बाहर हो गए थे । इसके बाद इस महीने मलेशिया सुपर 1000 टूर्नामेंट में दूसरे दौर तक पहुंचे । इंडिया ओपन में वह दूसरे दौर में हार गए । उन्होंने कहा ,'' पिछले कुछ महीने कठिन रहे लेकिन हालात बेहतर हो रहे हैं । मुझे अपने खेल में भी सुधार दिख रहा है । मुझे लगता है कि लगातार शीर्ष स्तर पर ब्रेक के बिना अच्छा खेल पाना कठिन चुनौती है । चिकनगुनिया के बाद सामान्य हो पाना कठिन था । मैं 60 से 70 प्रतिशत ही फिट हूं । मेरे लिये सर्किट पर लगातार खेलते रहना जरूरी है । मलेशिया में प्रदर्शन ठीक ठाक रहा लेकिन उसके बाद फिट चोट लग गई । मुझे सर्किट पर लौटकर अच्छा लग रहा है । आज अच्छा नहीं खेल सका लेकिन मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं । अभी शुरुआत ही हुई है और फोकस लगातार अच्छा खेलने पर है ।''32 वर्ष के इस खिलाड़ी ने कहा ,'' मुझे खेलते रहना पसंद है । मुझे पता है कि विश्व में शीर्ष 30 में पहुंचना आसान नहीं है । शीर्ष स्तर पर औसत उम्र 23 . 24 साल है लिहाजा शारीरिक तौर पर फिट रहना बहुत जरूरी है ।

# तो रणजी खेलने से क्या फायदा! हरभजन सिंह ने बीसीसी पर उठाए सवाल

**नई दिल्ली.**

19 फरवरी से शुरू हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान 19 जनवरी को किया जा सकता है. चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीम सेलेक्शन से पहले पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने बड़ा बयान दिया है. हरभजन ने कहा कि घरेलू में प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जरूर मौका मिलना चाहिए.

हरभजन सिंह ने टीम सेलेक्शन के मामले में भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसी) के दोहरे मापदंड की आलोचना की. भज्जी ने सवाल उठाया कि करुण नायर के लिए नियम क्यों अलग थे, जबकि अन्य खिलाड़ियों को कुछ मैचों या आईपीएल में प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिली. भज्जी के मुताबिक रोहित शर्मा और विराट कोहली को रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए कहा गया क्योंकि वे फॉर्म में नहीं थे. जबकि रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नजरअंदाज किया गया.

हरभजन के मुताबिक करुण नायर को अब बाहर रखना अनुचित होगा, जिन्होंने विजय-हजारे ट्रॉफी में 664 की औसत से रन बनाए हैं. हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'कई खिलाड़ियों का चयन सिर्फ दो मैचों के आधार पर होता है, जबकि कुछ का चयन सिर्फ आईपीएल के बेसिस पर होता है. तो उनके लिए नियम अलग क्यों हैं. लोग कहते हैं कि रोहित और विराट फॉर्म में नहीं हैं, इनको रणजी खेलने भेजो. लेकिन जो रणजी खेल रहे हैं और रन बना रहे हैं, आप उनकी अनदेखी क्यों कर रहे हैं. ये लोग कब खेलेंगे. वे यहां रन बना रहे हैं.' हरभजन सिंह ने आगे कहा, 'मुझे कभी समझ नहीं आया कि तिहरा शतक लगाने के बाद करुण नायर को टीम से बाहर कैसे कर दिया गया. वीरू के बाद वे दूसरा भारतीय रहे, जिन्होंने तिहरा शतक लगाया. मुझे दुख होता है कि कोई भी उनके जैसे खिलाड़ियों के बारे में बात नहीं करता.'विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में विदर्भ के कप्तान करुण नायर का बल्ला जमकर बोल रहा है.

# क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधू

## जापान की सुइजू को हराया, किरण भी अंतिम-8 में

**नई दिल्ली.**

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। वहीं, किरण जॉर्ज ने भी गुरुवार को पुरुष एकल में शानदार प्रदर्शन किया और उम्मीदें बनाई रखी हैं। सिंधू ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की दुनिया की 46वें नंबर की खिलाड़ी मनामी सुइजू को 21-15, 21-13 से हराया, जबकि किरण ने शानदार वापसी करते हुए छह गेम प्वाइंट बचाकर प्री-क्वार्टरफाइनल में एलेक्स लानियर को 22-20, 21-13 से हराया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू अब पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग से भिड़ेंगी। किरण अगले दौर में चीन के खिलाड़ी हांग यांग वेंग से भिड़ेंगे।

दूसरे गेम में किरण ने संघर्ष के बाद 14-11 से बढ़त बनाई। एलेक्स के स्मैश वाइड गए जबकि किरण ने हर मौके का फायदा उठाया। किरण ने 19-13 की बढ़त हासिल की और प्रतिद्वंद्वी की कुछ नेट गलतियों से भारतीय खिलाड़ी मैच जीत लिया। मैच के बाद किरण ने कहा, 'मैं एक बार में एक अंक पर ध्यान लगाये था। मैं बढ़त के बारे में नहीं सोच रहा था। इससे मुझे पहला गेम जीतने में मदद मिली। मैंने बस संयम बनाए रखा। अब ध्यान अगले मैच पर लगा है।'

### किरण का प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबला

किरण एलेक्स के खिलाफ मैच में 1-6 से पिछड़ रहे थे, लेकिन फ्रांसीसी खिलाड़ी की कई सहज गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को वापसी करने का मौका दिया। एलेक्स के शानदार स्मैश के बावजूद किरण डटे रहे और ब्रेक तक तीन अंक की बढ़त बनाने में कामयाबी हासिल की। किरण ने 14-20 से पिछड़ने के बाद छह गेम प्वाइंट बचाए और फिर शुरुआती गेम जीत लिया।

# एन बालाजी और मिगुल की जोड़ी दूसरे दौर में पहुंची

## स्वियातेक ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में

**नई दिल्ली.**

भारत के एन श्रीराम बालाजी और मैक्सिको के मिगुल रेयेस वारेला की जोड़ी रॉबिन हासे और अलेक्जेंडर नेदोवयेसोव पर सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गई। बालाजी और मिगुल ने डच खिलाड़ी हासे और कजाखस्तान के अलेक्जेंडर को 6-4, 6-3 से हराया।इस बीच रित्विक बोल्लीपल्ली ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरूष युगल से बाहर होने वाले तीसरे भारतीय बने। इससे पहले रोहन बोपन्ना और युकी भांबरी भी बाहर हो चुके हैं। बोल्लीपल्ली और अमेरिका के रियान सैगरमैन को छठी वरीयता प्राप्त फिनलैंड के हैरी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पाटेन ने 7-6, 6-1 से मात दी।

वहीं, पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में रेबेका स्रामकोवा को 6-0, 6-2 से हरा दिया। अब उनका सामना 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडूकानू से होगा जिन्होंने अमांडा एनिसिमोवा को 6-3, 7-5 से मात दी। वहीं अमेरिकी ओपन 2024 सेमीफाइनल खेलने वाली एम्मा नावारो ने चीन की वांग शियू को 6-3, 3-6, 6-4 से हराया।

अब उनका सामना तीन बार ग्रैंडस्लैम उपविजेता रही ओंस जबाउर से होगा जिन्होंने दमे की परेशानी के बावजूद कैमिला ओसोरियो को 7-5, 6-3 से हराया।

नौवीं रैंकिंग वाली डारिया कसात्किना ने वांग याफान को 6-2, 6-0 से हराया, जबकि 24वीं रैंकिंग वाली यूलिया पुतिनत्सेवा ने झांग शुआइ को 6-2, 6-1 से हराया।

# भारत ने अंतरिक्ष में नया कीर्तिमान रचा

## > इसरो ने उपग्रह डॉकिंग में हासिल की ऐतिहासिक सफलता

**नई दिल्ली.**

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने गुरुवार (16 जनवरी) को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पेडेक्स) के तहत उपग्रहों की 'डॉकिंग' सफलतापूर्वक की. इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद इसरो ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट शेयर किया "भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है. इस क्षण का गवाह बनकर गर्व महसूस हो रहा है." ये डॉकिंग तकनीक भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे देश की अंतरिक्ष तकनीकी क्षमता को एक नई दिशा मिली है.

इससे पहले 12 जनवरी को इसरो ने उपग्रहों को 'डॉक' करने के

परीक्षण के तहत दो अंतरिक्ष यान को तीन मीटर की दूरी पर लाकर और फिर सुरक्षित दूरी पर वापस भेजा था. इस परीक्षण ने मिशन की सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया. बता दें कि इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पेडेक्स) मिशन की शुरुआत की थी जिसमें दो छोटे उपग्रहों एसडीएक्स 01 (चेजर) और एसडीएक्स 02 (टारगेट) को 24 पेलोड के साथ प्रक्षिप्त किया गया था. इसरो ने पीएसएलवी सी 60 रॉकेट से इन उपग्रहों को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया. रॉकेट ने उड़ान भरने के करीब 15 मिनट बाद लगभग 220 किलोग्राम वजन वाले दो छोटे अंतरिक्ष यान को 475 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में प्रक्षिप्त किया. इस मिशन का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' तकनीक को किफायती तरीके से विकसित करना था जो भविष्य में चंद्रमा और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) जैसे महत्वाकांक्षी मिशनों के लिए जरूरी होगा.

### स्पेडेक्स मिशन से बढ़ी भारत की अंतरिक्ष क्षमता

इसरो के अनुसार स्पेडेक्स मिशन के जरिए भारत अंतरिक्ष में डॉकिंग प्रौद्योगिकी रखने वाला दुनिया का चौथा देश बनने की ओर अग्रसर है. इस तकनीक का इस्तेमाल तब किया जाता है जब अंतरिक्ष में एक से ज्यादा रॉकेट प्रक्षिप्त करने की जरूरत होती है जो विशेषकर बड़े अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण है. भारत का ये मिशन न केवल अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की बढ़ती सशक्त स्थिति को दर्शाता है बल्कि ये देश की भविष्य की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए भी एक मजबूत आधार प्रदान करता है.

# केरल में बस की टक्कर से कांग्रेस नेता की मौत

**नई दिल्ली.**

केरल के अलाप्पुझा के पूचक्कल में सुबह सैर पर निकले कांग्रेस नेता को बस ने टक्कर मार दी। हादसे में कांग्रेस नेता की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अलप्पुझा जिला कांग्रेस समिति (डीसीसी) के कार्यकारी समिति के सदस्य 70 वर्षीय एमआर रवि को तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। अधिकारी ने बताया कि अस्पताल ले जाते समय रवि की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने केरल के पेरुंबवूर से एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया। पेरुम्बवूर अन्य राज्यों से आए मजदूरों का एक प्रमुख केंद्र है। प्रवासी मजदूरों के बीच एक बांग्लादेशी नागरिक के बारे में सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम ने तलाशी अभियान चलाया। यहां से एक बांग्लादेशी महिला थस्लीमा को हिरासत में लिया। वह कुछ समय से एक बिहारी के साथ इस इलाके में रह रही थी।

पुलिस ने बताया कि उसे बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एर्नाकुलम ग्रामीण के एसपी वैभव सक्सेना ने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पेरुम्बवूर पुलिस थाने में महिला से पूछताछ चल रही है।

केरल में हादसे बढ़ रहे हैं। छह जनवरी को केरल के इडुक्की जिले में एक रोडवेज बस खाई में गिर गई थी। हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तमिलनाडु के तंजावुर की यात्रा के बाद 34 यात्रियों को लेकर केएसआरटीसी की एक बस अलपुझा जिले के मावेलीकारा लौट रही थी। छह जनवरी को सुबह करीब छह बजे इडुक्की जिले के पुल्लूपारा के निकट बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक मृतकों के शवों को मुंडाकायम के एक निजी अस्पताल में भेज दिया गया था।

# शाह ने गुजरात के वडनगर को दी 300 करोड़ की सौगात

## > जनता को समर्पित किया पुरातत्व संग्रहालय

**नई दिल्ली.**

गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 298 करोड़ रुपये की लागत से तैयार पीएम के गृहनगर वडनगर में पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने करीब 35 करोड़ से तैयार वडनगर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी जनता को समर्पित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा पर एक फिल्म का भी विमोचन किया गया। इसके अलावा गृह मंत्री ने वडनगर में विरासत परिसर विकास योजना, शहरी सड़क विकास और सौन्दर्यीकरण कार्यक्रम की भी अध्यक्षता की।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय 12,500 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला है। यह 2,500 साल से पुराने समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास और निरंतर मानव निवास के क्रम को उत्खनन किए गए पुरातात्विक प्रमाणों को दर्शाता है। यह भारत में विकसित अपनी तरह का पहला ऐसा संग्रहालय

है, जहां आगंतुकों को पुरातात्विक स्थल का अनुभव होगा।

इस संग्रहालय में मिट्टी के बर्तनों, शंख निर्माण (उत्पाद और कच्चा माल), सिक्के, आभूषण, हथियार, औजार, मूर्तियां, खेल सामग्री तथा जैवक सामग्री जैसे खाद्यान्न, डीएनए और कंकाल अवशेषों से संबंधित लगभग 5,000 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। नौ विषयगत दीर्घाओं वाले इस संग्रहालय में 4,000 वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला उत्खनन स्थल है, जहां 12-16 मीटर की गहराई तक पुरातात्विक अवशेष देखने को मिलते हैं। इस उत्खनन स्थल पर एक अनुभवात्मक वॉक-वे शेड, आने वाले लोगों को उत्खनन से प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का प्रदर्शन कराएगा।

### फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर का उद्घाटन

गृह मंत्री शाह ने अहमदाबाद से मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू, हैदराबाद, कोचीन और अहमदाबाद हवाई अड्डों पर 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' (एफटीआई-टीटीपी) का उद्घाटन किया। गृह मंत्री ने इससे पहले पिछले साल 22 जून को नई दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल-3 से एफटीआई-टीटीपी का शुभारंभ किया था। इसका उद्देश्य यात्रियों को विश्व स्तरीय आव्रजन सुविधाएं प्रदान करना है।

# एक और 9 साल की बच्ची की मौत

**नई दिल्ली.**

जम्मू में एक हॉस्पिटल में नौ वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई. जिससे जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बधाल गांव में रहस्यमय मौतों का सिलसिला बढ़कर 15 हो गया है. इस मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मौतों की वजह की जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है.

पिछले डेढ़ महीने में मौतों की ये संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ी है और इस पर स्थानीय प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है. जम्मू-कश्मीर की स्वास्थ्य मंत्री सकीना मसूद ने बधाल गांव में हुई इन मौतों के पीछे किसी रहस्यमय बीमारी की वजह होने की संभावना से इनकार किया. उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के अंदर और बाहर किए गए सभी परीक्षणों के नतीजे नेगेटिव रहे हैं. मंत्री ने ये भी बताया कि जांच के दौरान नमूने अलग-अलग प्रयोगशालाओं में भेजे गए थे, लेकिन किसी भी प्रकार की बीमारी का पता नहीं चला. उनका कहना था कि बधाल गांव में एक-दूसरे से जुड़े तीन परिवारों में हो रही मौतें चिंताजनक हैं.

# ममता का बड़ा एक्शन, 12 डॉक्टरों को किया सस्पेंड

**कोलकाता.**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सलाइन स्कैम मामले में डॉक्टरों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है. गुरुवार को उन्होंने राज्य सचिवालय नबान्न से कहा कि अगर डॉक्टरों ने अपना कर्तव्य ठीक से निभाया होता तो मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में गर्भवती महिला और नवजात को बचाया जा सकता था. उन्होंने इस घटना में 12 डॉक्टरों को निलंबित करने का आदेश दिया. इनमें मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के आरएमओ और एमएसवीपी भी शामिल हैं. मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में प्रसव के बाद पांच गर्भवती महिलाएं बीमार हो गईं थी. कथित तौर पर, वे सलाइन चढ़ाने के बाद बीमार हो गई थी. बाद में एक गर्भवती महिला की मृत्यु हो गई. मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में बीमार पड़ी एक गर्भवती महिला के बच्चे की मौत हो गई थी. गुरुवार को मुख्यमंत्री ने इस घटना के लिए डॉक्टरों पर उंगली उठाई. उन्होंने सरकारी अस्पतालों

में चिकित्सा सेवाओं के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि चिकित्सा सेवाओं में सुधार के बावजूद मां और बच्चे को बचाया नहीं जा सका, क्योंकि डॉक्टरों ने अपना कर्तव्य नहीं निभाया.

मुख्य सचिव मनोज पंत ने कहा, "सीसीटीवी कैमरे गलियारों में हैं. इसलिए मैं डॉक्टरों की गतिविधियों के बारे में नहीं जान सकती." हालांकि, मुख्यमंत्री की तरह उन्होंने भी कहा, "सर्जरी के दौरान जिस प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए, उसका पालन नहीं किया गया. वरिष्ठ डॉक्टरों की मौजूदगी के बिना जूनियर डॉक्टरों ने सर्जरी कर दी."

मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सर्जरी के बाद बीमार पड़ी पांच गर्भवती महिलाओं में से तीन की हालत गंभीर है. तीनों को कोलकाता लाकर एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मुख्यमंत्री ने गुरुवार को बताया कि तीन लोगों में से एक की हालत गंभीर है.

उन्होंने कहा कि उन माताओं के परिवारों के लिए कोई भी सांत्वना वास्तव में सांत्वना नहीं ह. वे केवल चिकित्सा प्रणाली पर ही उंगली उठा सकते हैं. यदि वे परिवार कुछ कहते हैं, तो उन्हें सुनना चाहिए.

# पुलिस ने भाजपा नेता को थाने में बंद करके पीटा

**नई दिल्ली.** भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष मनोज पासी ने झूंसी थानेदार और अन्य पुलिसकर्मियों पर उनकी थाने में बंदकर पिटाई करने का आरोप लगाया। मामला तूल पकड़ा तो भाजपाई आक्रोशित हो उठे। रात में महापौर, दो विधायक, एमएलसी और जिलाध्यक्ष समेत भारी पार्टी कार्यकर्ताओं ने झूंसी थाने का घेराव किया। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि घटना के बाद तथ्यों के आधार पर चमनगंज चौकी इंचार्ज संतोष कुमार सिंह, दरोगा शिवराम यादव, जग नारायण और मुख्य आरक्षी पारस यादव को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही इनके खिलाफ विभागीय जांच बिठा दी गई है। इसके अलावा झूसी थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए गए हैं। सूचना पर एसीपी विमल किशोर मिश्र मौके पर पहुंचे तो सभी ने उनसे वार्ता से इन्कार कर दिया। तब डीसीपी नगर अभिषेक भारती झूंसी थाने पहुंचे। देर रात तक पुलिस अफसरों और भाजपाइयों में वार्ता चलती रही।

# खनिकों-पुलिस के बीच गतिरोध में 87 की मौत

## > बचाव अभियान में 240 लोगों को खदान से निकाला गया बाहर

**नई दिल्ली.**

दक्षिण अफ्रीका में एक सोने की खदान में अवैध रूप से भूमिगत काम करने के दौरान फंसे खनिकों और पुलिस के बीच एक महीने से जारी गतिरोध में मरने वालों की संख्या कम से कम 87 हो गई है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने एक बचाव अभियान चलाकर 240 से अधिक जीवित लोगों को खदान से बाहर निकाला। राष्ट्रीय पुलिस प्रवक्ता एथलेंडा माथे ने कहा कि सोमवार से शुरू हुए बचाव अभियान में खदान से 78 शव निकाले गए, जबकि नौ अन्य शव पहले ही बरामद किए गए थे। राष्ट्रीय पुलिस प्रवक्ता एथलेंडा माथे ने फिलहाल इस बात का विवरण नहीं दिया कि शव कैसे निकाले गए। कम्यूनिटी ग्रुप ने कहा कि उन्होंने

अपने बचाव के प्रयास खुद शुरू किए थे, क्योंकि पिछले साल अधिकारियों ने कहा था कि वे खनिकों की मदद नहीं करेंगे, क्योंकि वे अपराधी है। खनिकों की मौत का कारण भूख और निर्जलीकरण को बताया जा रहा है।

अधिकारियों का मानना है कि लगभग दो हजार खनिक पिछले साल अगस्त से जोहान्सबर्ग के दक्षिण-पश्चिम में बफेल्सफोंटेन गोल्ड माइन में अवैध रूप से काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि सभी जीवित लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बुधवार को बचाव अभियान समाप्त करने की घोषणा की।

उनका मानना है कि अब कोई भी भूमिगत नहीं है। इसकी पुष्टि के लिए गुरुवार को एक कैमरा खदान में भेजा जाएगा।

# बांग्लादेश में एचएमपीवी संक्रमित महिला की मौत

**नई दिल्ली.** कोरोना के बाद अब ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस के बढ़ते मामले लोगों में डर पैदा करने लगे हैं. लखनऊ में गुरुवार को एचएमपीवी से पहली मौत दर्ज की गई. भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश से भी ऐसी ही खबर सामने आई है, ढाका में 30 साल की एक एचएमपीवी संक्रमित महिला की मौत हो गई. महिला को एचएमपीवी के साथ कई और स्वास्थ्य समस्या थी. इस मामले के सामने आने के बाद बांग्लादेश में चिंताएं बढ़ गई हैं. क्योंकि बांग्लादेश अभी राजनीतिक संकट से गुजर रहा है. ऐसे में किसी बढ़ी महामारी का मुकाबला करने के लिए उसका स्वास्थ्य ढांचा तैयार नहीं है. हालांकि सरकार की तरफ से एचएमपीवी से जुड़ी सावधानियां बरती जा रही हैं. ढाका के मोहाखाली अस्पताल के डॉक्टर अरिफुल बशर ने बताया कि मृतका संजीदा अख्तर की मौत शाम करीब 6 बजे हुई. अरिफुल बशर ने कहा, "वह सिर्फ एचएमपीवी संक्रमण से नहीं मरी है. एक्स-रे से पता चला कि उसे मोटापा, किडनी संबंधी समस्याएं और लंग्स इंफेक्शन समेत कई अन्य बिमारियां थीं."

# गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे इंडोनेशियाई राष्ट्रपति

**नई दिल्ली.**

इस साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर आधिकारिक घोषणा की है। सुबियांटो राष्ट्रपति के रूप में भारत की अपनी पहली यात्रा पर 25 को भारत आएंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को बताया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो 26 जनवरी को भारत के 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि एक व्यापक रणनीतिक साझेदार के रूप में इंडोनेशिया भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत के उसके दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

यह प्रक्रिया आयोजन से करीब छह महीने पहले शुरू हो जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान विदेश मंत्रालय शामिल रहता है।

किसी भी देश को निमंत्रण देने के लिए सबसे पहले यह है देखा जाता है कि भारत और संबंधित अन्य राष्ट्र के बीच मौजूदा संबंध कितने अच्छे हैं। इसका निर्णय देश के राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य और वाणिज्यिक हितों को भी केंद्र में रख कर लिया जाता है। पहले विदेश मंत्रालय संभावित उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करता है और फिर इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के पास भेजा जाता है। इसके बाद संबंधित मुख्य अतिथि की उपलब्धता देखी जाती है। अगर उनकी उपलब्ध हैं तो भारत आमंत्रित देश के साथ आधिकारिक संचार करता है।

# श्री जगन्नाथ मंदिर के सेवक की हार्ट अटैक से मौत

**भुनेश्वर.**

ओडिशा के पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब मंदिर के एक सेवक की सीने में दर्द होने से मौत हो गई. वहीं मंदिर के सेवक की मौत के बाद से घर और साथियों के बीच मातम पसरा हुआ है. मृतक का नाम जगन्नाथ मेकाप था, जो पुरी के माटीमंडप साही इलाके का रहने वाला था और मंदिर में सुवरबड़ सेवक के रूप में काम करता था. जानकारी के मुताबिक, मेकाप को इससे पहले भी सीने में दर्द हुआ था जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

इलाज होने पर उनका स्वास्थ्य ठीक हो गया था. जानकारी के मुताबिक, जगन्नाथ मेकाप भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के द्विपहर धूप अनुष्ठान के दौरान गर्भगृह में पानी छिड़कते हुए गिर पड़े.

जब उन्होंने सीने में दर्द की

शिकायत की, तो अन्य सेवक और मंदिर के कर्मचारी उन्हें तुरंत मंदिर की एंबुलेंस से जिला मुख्यालय अस्पताल ले गए. लेकिन, डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया. मेकाप के सीने में दर्द होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया.

पुरी के कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वाई, एसपी विनीत अग्रवाल और मंदिर के नीति प्रशासक समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल पहुंचे और मृत सेवक के परिवार को सांत्वना दी.

वहीं जगन्नाथ मेकाप की मौत के बाद से परिवार में शोक की लहर है. कलेक्टर ने बताया कि जगन्नाथ मेकाप को दो साल पहले दिल की बीमारी की वजह से जगन्नाथ अस्पताल में इलाज कराया गया था. स्वस्थ होने के बाद उन्होंने फिर से महाप्रभु की सेवा शुरू कर दी थी, दुर्भाग्य से आज सेवा के दौरान फिर उनके सीने में दर्द हुआ और जिसके बाद उन्हें मंदिर की एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां उन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

# सलमान, बाबा सिद्दीकी से लेकर सैफ अली खान तक...

**मुंबई.**

अभिनेता सैफ अली खान के घर में आधी रात को चोर घुस आए। यही नहीं उनमें से एक चोर ने तो सैफ अली खान पर ही चाकू से हमला कर दिया, जिससे उन्हें कई जगह चोटें आईं। फिलहाल वह खतरे से बाहर हैं और घर के अन्य लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। लेकिन यह चिंता की बात है कि आखिर मुंबई के जिस बांद्रा इलाके में देश की नामी हस्तियां और फिल्मी सितारे रहते हैं, वह इतनी क्राइम की घटनाएं क्यों और कैसे हो रही हैं। हमले के दौरान सैफ अली खान और करीना कपूर घर पर ही थे।

इसी बांद्रा इलाके में रहने वाले सलमान खान के घर पर फायरिंग हुई थी और उन्हें बचाव के लिए अपनी बालकनी को बुलेटप्रूफ कराना पड़ा है। वहीं बाबा सिद्दीकी भी बांद्रा पूर्व इलाके में गोलीबारी में मारे गए थे। उन पर तीन हमलावरों ने भीषण फायरिंग की थी, जिसमें एनसीपी नेता की मौत हो गई थी। सलमान खान जिस गैलेक्सी अपार्टमेंट में रहते हैं, वह भी यहीं पर है। सैफ अली खान का फिलहाल लीलावती अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल के सीओओ नीरत उत्तमानी ने कहा कि अभिनेता को जब अस्पताल में एडमिट कराया गया तो उनके शरीर पर 6 जख्म थे। इनमें से 2 गहरे पाए गए। इस मामले को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। उद्धव सेना की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने तो सीधे तौर पर इसे मुंबई पुलिस और सरकार की असफलता करार दिया। प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर लिखा, 'क्या शर्म की बात है कि मुंबई में एक और हाईप्रोफाइल कांड हुआ है। इसमें सैफ अली खान पर जानलेवा अटैक किया गया। इससे मुंबई पुलिस पर सवाल उठते हैं। इसके अलावा होम मिनिस्टर

## > बांद्रा क्राइम फाइल्स कर रही हैरान

पर भी सवाल है। ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं, जिसमें मुंबई के बड़े नामों को ही टारगेट किया जा रहा है।' उद्धव सेना की लीडर ने पूछा कि आखिर बांद्रा में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं हैं, जबकि इस इलाके में बड़ी संख्या में सिलेब्रिटीज रहती हैं। यदि मुंबई में सिलेब्रिटीज ही सेफ नहीं हैं तो फिर सुरक्षित कौन है। फिलहाल पुलिस हमलावर की पहचान करने में जुटी है। यह मामला इसलिए भी शक पैदा कर रहा है क्योंकि घर के अंदर किसी बाहरी की एंट्री का सबूत नहीं मिला है। फिलहाल सैफ अली खान के घर के तीन स्टाफ को ही पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू की है। बता दें कि अक्टूबर 2024 में एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी का यहां कत्ल हो गया था। उन्हें तीन हमलावरों ने उस वक्त गोलियां मारी थीं, जब वह बेटे जीशान के दफ्तर से निकल रहे थे। इसके बाद उन्हें लीलावती अस्पताल लाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। बाबा सिद्दीकी की हत्या दशहरे के दिन हुई थी, जब लोग त्योहार मना रहे थे। अब तक पुलिस की जांच में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम ही इस मामले में सामने आया है। एनसीपी नेता को 6 गोलियां मारी गई थीं। सिद्दीकी के कत्ल से पहले करीब एक महीने तक हत्यारे मुंबई में रहे थे। उनकी लंबे समय तक रेकी की गई थी। फिर टारगेट करके मारा गया था। बता दें कि हत्या से 15 दिन पहले ही सिद्दीकी को हत्या की धमकी मिली थी। इसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को दी थी, जिसके बाद सुरक्षा में इजाफा किया गया था। उन्हें सलमान से करीबी के चलते मारने का दावा बिश्नोई गैंग ने किया था। बता दें कि इसी गैंग की ओर से सलमान खान को कई बार जान से मारने की धमकी देने का दावा किया गया। एक बार तो उनके घर को ही निशाना बनाते हुए फायरिंग की गई।

# सड़क दुर्घटनाओं में भारत पहले नंबर पर: नितीन गडकरी

**नई दिल्ली.**

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि खराब सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बनाया जाना चाहिए और ठेकेदारों और इंजीनियरों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों में भारत दुनिया में नंबर वन है।

उद्योग निकाय भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की तरह से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि दोषपूर्ण सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बनाया जाना चाहिए और सड़क ठेकेदारों, रियायतियों और इंजीनियरों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने सड़क हादसों पर गहरी चिंता भी जताई।

**साल 2023 में रोड एक्सीडेंट में एक लाख 72 हजार की हुई मौत :** केंद्रीय मंत्री यह भी बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का लक्ष्य 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को घटाकर आधा करने का है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में देश में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें 1,72,000 लोगों की

मौत हुई। गडकरी ने कहा कि इनमें से 66.4 प्रतिशत यानी 1,14,000 लोग 18-45 वर्ष आयु वर्ग के थे, जबकि 10,000 बच्चे थे।

**55 हजार की मौत हेलमेट न पहनने के कारण हुई**

नितिन गडकरी ने बताया कि 55,000 लोगों की मौत हेलमेट न पहनने के कारण और 30,000 लोगों की मौत सीट बेल्ट न लगाने के कारण हुई। मंत्री ने यह भी कहा कि राजमार्ग मंत्रालय, राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट को ठीक करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। गडकरी ने उद्योग और अन्य संबंधित इकाइयों से आग्रह किया कि वे देश में ड्राइवरों (वाहन चालकों) की भारी कमी को दूर करने के लिए प्रशिक्षण और फिटनेस केंद्र स्थापित करने के लिए सरकार के साथ साझेदारी करें।